मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 185
रविवार, 18 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

गुवाहाटी में पीएम मोदी का मेगा रोड शो, 'मोदी-मोदी' के नारों से गूंजा पूरा असम

गुवाहाटी, 17 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में एक भव्य रोड शो किया। यह रोड शो बोडो संस्कृति के पारंपरिक कार्यक्रम 'बागुरुम्बा द्वौ 2026' में उनकी भागीदारी से पहले आयोजित किया गया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा इस रोड शो में प्रधानमंत्री के साथ थे, जहां हजारों समर्थकों ने जोरदार नारे लगाकर पीएम मोदी का स्वागत किया। इससे पहले, शनिवार को गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर असम के मुख्यमंत्री सरमा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

असम मुख्यमंत्री कार्यालय ने पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा राज्य के विकास पथ में एक निर्णायक कदम है। असम मुख्यमंत्री कार्यालय ने लिखा कि वह क्षण आ गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा ने असम यात्रा पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत किया। बागुरुम्बा द्वौ के भव्य सांस्कृतिक उत्सव से लेकर काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर और उन्नत रेल संपर्क जैसी महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं तक, यह यात्रा असम के विकास पथ में एक निर्णायक कदम है।

मुख्यमंत्री ने भी प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। सरमा ने कहा कि गुवाहाटी हवाई अड्डे पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 से 18 जनवरी तक दो दिवसीय असम दौरे पर हैं। इस दौरान वे गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में बोडो विरासत का जश्न मनाने वाले एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री बोडो समुदाय की परंपराओं को प्रदर्शित करने वाले एक विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम बागुरुम्बा द्वौ 2026 में शामिल होंगे।

इस कार्यक्रम में 10,000 से अधिक कलाकार एक साथ बागुरुम्बा नृत्य प्रस्तुत करेंगे। इसमें असम के 23 जिलों के 81 विधानसभा क्षेत्रों के कलाकार शामिल होंगे।

बागुरुम्बा बोडो समुदाय का एक पारंपरिक लोक नृत्य है, जो प्रकृति से प्रेरित है और खिलते फूलों तथा मानव जीवन और प्राकृतिक जगत के बीच सामंजस्य का प्रतीक है। परंपरागत रूप से युवा महिलाओं द्वारा पुरुषों के साथ संगीतकारों के रूप में प्रस्तुत किया जाने वाला यह नृत्य, तितलियों, पक्षियों, पत्तियों और फूलों की नकल करते हुए कोमल और प्रवाहमय मुद्राओं से परिपूर्ण है। इसका गहरा सांस्कृतिक महत्व है, जो शांति, उर्वरता, आनंद और सामूहिक सद्भाव का प्रतीक है, और यह बोडो नव वर्ष ब्विसागु और डोमासी जैसे त्योहारों से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है।

प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल समाज के कल्याण के लिए हो, लोगों को इसका गुलाम नहीं बनना चाहिए: मोहन भागवत

नई दिल्ली, 17 जनवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल समाज के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए, लेकिन लोगों को इसका गुलाम नहीं बनना चाहिए। युवा उद्यमियों से बातचीत में भागवत ने इस पर जोर दिया कि स्वदेशी का उपयोग करने का मतलब प्रौद्योगिकी को नकारना नहीं है।

यह संवाद आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी अपरिहार्य है और अपने आप में बुरी नहीं है, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम इस पर इस हद तक निर्भर न हो जाएं कि यह हमें नियंत्रित करने लगे।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि व्यापार और उद्योग को केवल लाभ के उद्देश्य से संचालित नहीं किया जाना चाहिए। भागवत ने कहा, हम सिर्फ अपने फायदे के लिए नहीं, बल्कि समाज की भलाई के लिए काम करते हैं। आजीविका कमाना और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ चलनी चाहिए। कृषि का उदाहरण देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारतीय किसान अक्सर खेती को महज पेशा नहीं बल्कि अपना कर्तव्य मानते हैं। भागवत ने कहा, यह नेक विचार शायद ही कहीं और देखने को मिलता है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारा काम समाज-केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकी को भारत की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के अनुकूल बनाया जाना चाहिए, और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि प्रौद्योगिकी समाज को नुकसान न पहुंचाए या रोजगार के अवसरों को कम न करे।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष उग्रवादी समेत दो नक्सली मारे गए

बीजापुर, 17 जनवरी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में शीर्ष उग्रवादी दिलीप बेदजा समेत दो नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिले के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के पहाड़ी जंगलों में तड़के मुठभेड़ शुरू हो गई, जहां सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर नक्सल-विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस के विशेष कार्य बल और जिला रिजर्व गार्ड इकाइयों के जवान और सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन) के जवान इस अभियान में शामिल थे, जिसे मंडलीय समिति के सदस्य

बेदजा की क्षेत्र में उपस्थिति के बारे में मिली सूचना के आधार पर शुरू किया गया था। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए एक अन्य नक्सली की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया, अभी तक घटनास्थल से दो नक्सलियों के शव और एके-47 राइफल बरामद की गयी हैं। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान अभी जारी है। अधिकारी ने बताया कि बेदजा माओवादियों की राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र समिति में सक्रिय था और कई हमलों में शामिल रहा था। तीन जनवरी को बीजापुर सहित सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में दो मुठभेड़ों में 14 नक्सली मारे गए थे। पिछले साल छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 285 नक्सली मारे गए थे। केंद्र सरकार ने वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने के लिए 31 मार्च की समय सीमा तय की है।

काशी की आस्था और सनातन परंपरा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा : योगी आदित्यनाथ

- कहा, झूठ फैलाने वालों को जनता जवाब देगी
- 11.5 साल की उपलब्धियों से बौखलाई कांग्रेस, काशी की आस्था पर हमला

सुरेश गांधी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मणिकर्णिका घाट विवाद को लेकर कांग्रेस और विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि काशी की सनातन आस्था, परंपरा और विकास को बदनाम करने की सुनियोजित साजिश रची जा रही है, जिसे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा, मणिकर्णिका घाट सनातन संस्कृति का केंद्र है और यहां चल रहे कार्य परंपरा के खिलाफ नहीं, बल्कि गरिमा, स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी भी धार्मिक संस्कार में हस्तक्षेप नहीं, बल्कि उसे सम्मानजनक, सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना है। जो लोग सोशल मीडिया के माध्यम से झूठे वीडियो और भ्रामक तस्वीरें फैलाकर जनभावनाओं से खिलवाड़ कर रहे हैं, वे वही लोग हैं जिन्होंने दशकों तक काशी और भारत की विरासत को उपेक्षित रखा। यह वही कांग्रेस है जिसने आजादी के बाद कभी काशी के समग्र विकास की चिंता नहीं की।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट सनातन धर्म के सबसे पवित्र संस्कार स्थल हैं। यहां अंतिम संस्कार को सम्मानजनक, सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में संपन्न कराने के लिए सीएसआर फंड से आधुनिक और इको-फ्रेंडली इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बरसात और बाढ़ के दौरान परिजनों को जिन अमानवीय परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, उन्हें खत्म करना सरकार की जिम्मेदारी है। यह कोई परंपरा पर आरोप नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सच्चाई है कि अधजले शव, राख और धुआं गंगा के जल और आसपास के वातावरण को प्रदूषित करते हैं।

सरकार का प्रयास इसी समस्या का समाधान है। ताकि गंगा की पवित्रता और निर्मलता बनी रहे, आसपास के मोहल्लों में प्रदूषण न फैले और श्रद्धालुओं और परिजनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो.योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास ही भारत की विरासत के अपमान का इतिहास रहा है। माता अन्नपूर्णा की मूर्ति 100 वर्षों तक विदेश में रही, कांग्रेस ने कोई प्रयास नहीं किया, सोमनाथ मंदिर पुनर्निर्माण का विरोध किया, काशी विश्वनाथ धाम निर्माण के दौरान झूठी साजिशें रची गईं, फर्जी मूर्तियां दिखाकर मंदिर तोड़ने का झूठ फैलाया गया. मुख्यमंत्री ने कहा, आज वही लोग सनातन धर्म की दुहाई देकर राजनीति कर रहे हैं। यह 100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली जैसी स्थिति है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11.5 वर्षों में काशी का कायाकल्प हुआ है। 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाएं, काशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या सैकड़ों गुना बढ़ी. प्रतिदिन औसतन 1.25 से 1.5 लाख श्रद्धालु, पर्व और सावन में 6 से 10 लाख तक भीड, अब तक 11 करोड़ से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं. उन्होंने कहा कि 2014 से पहले जहां एक साथ 50 श्रद्धालु भी दर्शन नहीं कर पाते थे, आज 5000 श्रद्धालु एक साथ बाबा विश्वनाथ का दर्शन कर रहे हैं।

'ये खैरात नहीं, पंजाब का हक है', अमित शाह से बोले मुख्यमंत्री भगवंत मान

पंजाब,17 जनवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और अंतरराष्ट्रीय सीमा से संबंधित मुद्दों और राज्य से जुड़े अन्य लंबित मामलों पर चर्चा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब के अधिकार केंद्र के समक्ष स्पष्ट रूप से रखे गए हैं। बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए मान ने बताया कि चर्चा का एक प्रमुख मुद्दा सीमा बाड़ के पार स्थित कृषि भूमि का पुनर्वास था। उन्होंने मौजूदा सीमा बाड़ की समीक्षा का अनुरोध किया, जिसके कारण बाड़ और वास्तविक अंतरराष्ट्रीय सीमा के बीच काफी कृषि भूमि अलग-थलग पड़ गई है, जिससे किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें पहचान पत्र दिखाने के बाद बीएसएफ के साथ सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत अपनी जमीन पर खेती करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मान ने कहा कि यदि बाड़ को फिर से व्यवस्थित किया जाता है, तो हजारों एकड़ जमीन भारतीय सीमा में आ जाएगी, जिससे किसान बिना किसी डर, प्रतिबंध या सुरक्षा चिंताओं के खेती कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि शाह ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और उन्हें आश्वासन दिया कि इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा, जिसके लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पंजाब का हिस्सा है और पंजाब का अधिकार है—यह कोई दान नहीं है। हम पंजाब के हक की मांग करने आए हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में उन्होंने बहुत सकारात्मक रुख अपनाया। बाड़ के बाहर बहुत सी जमीन है, जो कई जगहों पर दो से तीन किलोमीटर अंदर है।

मान ने पत्रकारों से कहा कि ऐसी जमीन भी है जहां किसान अपना पहचान पत्र दिखाकर बीएसएफ के साथ खेती करने जाते हैं। अगर बाड़ को 200-300 किलोमीटर आगे बढ़ा दिया जाए, तो हजारों एकड़ जमीन बाड़ के इस तरफ आ जाएगी।

ओशिवारा के एक फ्लैट में आग लगने से बुजुर्ग महिला की मौत

मुंबई। मुंबई के ओशिवारा इलाके में एक आवासीय परिसर के फ्लैट में शनिवार को आग लग जाने से 73 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। एक नगर निकाय अधिकारी ने यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि पूर्वाह्न करीब सवा 11 बजे ओशिवारा इलाके के लोखंडवाला में हाई प्वाइंट होटल के पास ब्रिज बिल्डिंग में आग लगने की सूचना मिली तथा दमकल की चार गाड़ियों एवं अन्य अग्निशमन वाहनों की मदद से 12 बजकर नौ मिनट तक उसपर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने कहा, वरिष्ठ नागरिक हिरू चेतलानी आग से बुरी तरह झुलस गयीं। बृहन्मुम्बई महानगरपालिका संचालित कूपर अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

महाराष्ट्र में भाजपा के विकास एवं विश्वास की निर्णायक जीत

-ललित गर्ग

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न शहरी निकाय चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा, प्रवृत्ति और भविष्य का संकेत देने वाला एक बड़ा जनादेश बनकर सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दर्शाता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है। इन परिणामों ने राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व का प्रतीक रहे बृहन्मुंबई नगर निगम, यानी बीएमसी में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढह गया, बीएमसी और राज्यभर के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना एवं उसका दबदबा कायम होना, एक बड़े राजनीतिक बदलाव का सबसे सशक्त प्रमाण है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक सोच और कार्यशैली इस पूरे परिदृश्य में एक निर्णायक कारक के रूप में उभरकर सामने आई है। फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति को केवल सत्ता संतुलन की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि उसे दीर्घकालिक विकास दृष्टि से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता, निवेश अनुकूल वातावरण और सुशासन को उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक उत्तेजना या तात्कालिक लोकप्रियता पर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, प्रशासनिक दक्षता और भविष्य की तैयारी पर आधारित रही है। मुंबई से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा तक विकास की समान अवधारणा, शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है। इस महाविजय के पीछे फडणवीस की रणनीति के चार प्रमुख स्तंभ रहे हैं- हिंदुत्व और विकास का संतुलन, लोकल मुद्दों पर फोकस, विपक्ष पर प्रभावी जवाब और जनता के साथ जुड़ाव। यही कारण है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उन्हें केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदृष्टा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्न की जो राष्ट्रीय अवधारणा गढ़ी गई,

देवेंद्र फडणवीस ने उसे महाराष्ट्र की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही दृष्टि महायुति की सफलता की वैचारिक रीढ़ बनती दिखाई देती है।

बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव। भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की सफलता यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में मुंबई का प्रशासनिक और विकासात्मक स्वरूप नए सिरे से गढ़ा जाएगा। मुंबई को खराब सड़कों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए। इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि दो दशक बाद ठाकरे परिवार से जुड़ी पार्टियां एकजुट होकर मैदान में उतरीं, फिर भी वे महायुति की लहर को रोकने में असफल रहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्रतीकात्मक एकता मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सकी। इसी तरह शरद पवार और अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों का पुणे में गठबंधन भी बुरी तरह विफल रहा। यह पराजय उन राजनीतिक परिवारों के लिए एक चेतावनी है, जिन्होंने लंबे समय तक राज्य की राजनीति में वर्चस्व बनाए रखा था।

इन परिणामों से यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की जनता ने क्षेत्रीय संकीर्णता और पुराने नारों की बजाय विकास, स्थिरता और विश्वास की राजनीति को प्राथमिकता दी है। ह्यमराठी मानुषह्न जैसे भावनात्मक मुद्दे इस बार ज्यादा प्रभाव नहीं डाल सके। मतदाताओं ने यह संकेत दिया है कि वे अपनी आकांक्षाओं को केवल पहचान की राजनीति में सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि वे बेहतर बुनियादी ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि चाहते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की हाशिये पर मौजूदगी भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह स्थिति कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का अवसर है। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में उसकी कमजोर होती पकड़ यह सवाल उठाती है कि क्या पार्टी बदलते राजनीतिक परिदृश्य को समझने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने में विफल हो रही है। महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर भी इन परिणामों ने प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इसके घटक दल पहले ही प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और यह पराजय उस संघर्ष को और कठिन बना देती है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ठाकरे और पवार जैसे परिवारों को अब अपनी राजनीति का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। केवल विरासत और अतीत की उपलब्धियों के सहारे राजनीति नहीं चलाई जा सकती। जनता अब जवाबदेही, परिणाम और स्पष्ट दिशा चाहती है। इसके विपरीत भाजपा ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह चुनाव जीतने का गणित अच्छी तरह समझ चुकी है। मजबूत बूथ मैनेजमेंट, कैडर आधारित संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक व सांगठनिक संबल उसकी सफलता की आधारशिला बने हैं। यही कारण है कि भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकली, बल्कि कई स्थानों पर अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी। इन चुनावों का व्यापक अर्थ केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। यह परिणाम राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक संकेत है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास और आश्वासन की राजनीति को जनता लगातार समर्थन दे रही है। यह राजनीति केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव की अनुभूति कराती है। अंधेरों के बीच रोशनी की किरण की तरह यह राजनीति आम नागरिक को यह विश्वास दिलाती है कि उसका भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इससे राजनीतिक परिभाषाएं ही नहीं बदलीं, बल्कि इंसान की सोच में भी परिवर्तन आया है। मतदाता अब भावनात्मक उकसावे से अधिक ठोस उपलब्धियों और संभावनाओं को महत्व देने लगा है। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव इस बदलाव का सशक्त उदाहरण हैं। बड़े-बड़े दावे करने वालों के बोल ध्वस्त हुए हैं और विकास की राजनीति आगे बढ़ी है। जनता देश को एक नई दिशा, एक नए लोकतांत्रिक परिवेश और एक नई राजनीतिक संस्कृति में देखना चाहती है। यह संस्कृति केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन के तौर-तरीकों में बदलाव की मांग करती है। पारदर्शिता, जवाबदेही और परिणामोन्मुखी प्रशासन अब केवल नारे नहीं, बल्कि जन अपेक्षा बन चुके हैं। बीएमसी जैसे शक्तिशाली संस्थान में भाजपा का वर्चस्व न केवल मुंबई की सत्ता संरचना को बदलेगा, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति की धुरी को भी नए सिरे से परिभाषित करेगा। यह जीत बताती है कि लोकतंत्र में वही राजनीतिक ताकत टिकाऊ होती है, जो समय के साथ खुद को बदलती, जनता की नब्ज पहचानती और विकास को केंद्र में रखने का साहस रखती है। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों ने इसी सच्चाई को एक बार फिर उजागर किया है।

महाराष्ट्र में बीजेपी की सुनामी में ढह गया ठाकरे किला

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ा भूचाल आया है। राज्य के 29 नगर निगमों, जिनमें देश की सबसे अमीर और राजनीतिक रूप से सबसे प्रभावशाली बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) भी शामिल है, के चुनाव नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि शहरी महाराष्ट्र में सत्ता की धुरी तेजी से बदली है। मतलब साफ है महाराष्ट्र की राजनीति में एक निर्णायक अध्याय जुड़ गया है। बीएमसी के चुनाव परिणामों ने न केवल मुंबई की सत्ता का रंग बदला है, बल्कि महाराष्ट्र की सियासत की दिशा भी तय कर दी है। ताजा रुझानों और परिणामों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने स्पष्ट बढ़त हासिल कर ली है। 227 सदस्यीय बीएमसी में भाजपा, शिंदे गुट बहुमत के आंकड़े के पार या निर्णायक स्थिति में पहुंचता दिख रहा है, जबकि दशकों तक इस निगम पर राज करने वाली ठाकरे बंधुओं की राजनीति हाशिये पर जाती नजर आ रही है। खास यह है कि यह जीत केवल एक नगर निगम का चुनाव नहीं है, बल्कि यह उस राजनीतिक संघर्ष का परिणाम है, जिसमें संगठन, सत्ता और नेतृत्व की परीक्षा हुई। मुंबई जैसी महानगरीय राजनीति में भाजपा की यह सफलता आने वाले वर्षों तक असर दिखाने वाली मानी जा रही है

-सुरेश गांधी

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों ने यह साबित कर दिया है कि राजनीति में अब केवल विरासत या भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि प्रदर्शन, स्थिरता और नेतृत्व की विश्वसनीयता निर्णायक बन चुकी है। फडणवीस, शिंदे की जोड़ी, मोदी - शाह का केंद्रीय समर्थन और मजबूत सांगठनिक ढांचा, इन तीनों के संगम ने महायुति को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई है। अब यह जीत केवल सत्ता का आंकड़ा नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की राजनीति की दिशा तय करने वाला जनादेश है। भला क्यों नहीं? बीएमसी केवल एक नगर निगम नहीं, बल्कि भारत की सबसे ताकतवर शहरी सत्ता संरचना है। इसका सालाना बजट कई भारतीय राज्यों से अधिक है। बीएमसी पर नियंत्रण का मतलब है, शहरी विकास की दिशा तय करना, बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर पकड़ और मुंबई जैसे महानगर की प्रशासनिक नब्ज पर हाथ। पिछले दो दशकों तक शिवसेना के लिए बीएमसी सत्ता का आधार रही। यही वह मंच था, जहां से पार्टी ने न केवल मुंबई बल्कि पूरे महाराष्ट्र में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत की। अब यदि महायुति यहां निर्णायक स्थिति में पहुंचती है, तो यह ठाकरे गुट की राजनीति के लिए सबसे बड़ा झटका होगा।

बीएमसी हाथ से निकलने का अर्थ है, संगठन कमजोर होना, फंडिंग नेटवर्क पर असर और राजनीतिक मनोबल का टूटना। यही वजह है कि इन नतीजों को शिवसेना के पतन के निर्णायक मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों ने राष्ट्रीय राजनीति को भी एक स्पष्ट संदेश दिया है। यह मुकाबला केवल स्थानीय नहीं रहा, बल्कि इंडि गठबंधन और एनडीए के बीच विश्वास की परीक्षा बन गया। शहरी मतदाता ने स्पष्ट रूप से एनडीए के नेतृत्व, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और विकास मॉडल पर भरोसा जताया है। डबल इंजन सरकार का नारा केवल विधानसभा या लोकसभा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नगर निगम स्तर तक प्रभावी सिद्ध हुआ। इसके उलट, इंडि गठबंधन यहां बिखरा हुआ नजर आया। न तो साझा नेतृत्व का चेहरा था, न ही कोई समन्वित एजेंडा। कांग्रेस, एनसीपी और ठाकरे गुट एक-दूसरे के भरोसे खड़े दिखे, लेकिन मतदाता ने किसी को निर्णायक विकल्प नहीं माना। राजनीतिक संकेत साफ है, यदि इंडि गठबंधन शहरी भारत में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखना चाहता है, तो उसे नेतृत्व, नैरेटिव और संगठन तीनों मोर्चों पर नए सिरे से सोचना होगा। फिरहाल, इन नतीजों को 2029 के विधानसभा और लोकसभा चुनावों का ट्रेलर कहा जा सकता हैं। शहरी क्षेत्रों में मिली यह बढ़त भाजपा के लिए मनोवैज्ञानिक और रणनीतिक दोनों रूप से बेहद अहम है।

देवेंद्र फडणवीस के लिए यह जीत भविष्य के नेतृत्व का रास्ता और साफ करती है, वहीं एकनाथ शिंदे की वैधता को भी जनता की मुहर मिलती दिख रही है। यह गठबंधन यदि अगले तीन वर्षों तक स्थिर रहा, तो 2029 में इसे चुनौती देना विपक्ष के लिए बेहद कठिन होगा। दूसरी ओर, ठाकरे गुट के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा होता दिख रहा है। यदि संगठनात्मक पुनर्गठन और राजनीतिक पुनर्परिभाषा नहीं हुई, तो शहरी महाराष्ट्र में उसकी भूमिका सीमित होती जाएगी। स्पष्ट है कि यह नगर निगम चुनाव केवल स्थानीय सत्ता की लड़ाई नहीं थे, बल्कि उन्होंने महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के भविष्य की पटकथा भी लिखनी शुरू कर दी है। क्योंकि बीएमसी का महत्व किसी भी राज्य सरकार से कम नहीं आंका जा सकता। करीब 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक के बजट वाली यह नगर निकाय देश की सबसे अमीर स्थानीय संस्था है। सड़क, जलापूर्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, झुग्गी पुनर्विकास और करोड़ों की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का नियंत्रण बीएमसी के हाथ में होता है। पिछले करीब ढाई दशक तक शिवसेना (अविभाजित) ने बीएमसी को अपनी राजनीतिक शक्ति का आधार बनाए रखा। यही वह मंच था, जहां से पार्टी को आर्थिक संसाधन, संगठनात्मक

ताकत और मुंबई की राजनीति पर वर्चस्व मिलता रहा। अब इस गढ़ का ढहना ठाकरे राजनीति के लिए सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है।

चुनावी नतीजे क्या कहते हैं?

मतगणना के ताजा अपडेट के अनुसार, 227 सीटों वाली बीएमसी में महायुति गठबंधन 118 से अधिक सीटों पर बढ़त या जीत दर्ज करता दिख रहा है। विपक्षी गठबंधन, जिसमें उद्धव ठाकरे गुट, कांग्रेस और एनसीपी शामिल हैंकृकरीब 60ह्र70 सीटों के बीच सिमटता नजर आ रहा है। यह अंतर केवल संख्याओं का नहीं है, बल्कि राजनीतिक संदेश का है। शहरी मतदाता ने स्पष्ट कर दिया है कि वह स्थिर सरकार, स्पष्ट नेतृत्व और विकास आधारित राजनीति को तरजीह दे रहा है।

भाजपा की जीत के कारण

1. डबल इंजन सरकार का भरोसा : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राज्य में फडणवीसह्रशिंदे की सरकार ने ह्यडबल इंजनह्न का जो मॉडल पेश किया, उसका असर शहरी मतदाताओं पर साफ दिखा। बुनियादी ढांचे, मेट्रो नेटवर्क, तटीय सड़क, डिजिटल सेवाओं और शहरी आवास योजनाओं ने भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया। 2. संगठन की मजबूती : भाजपा का सांगठनिक ढांचा बीएमसी चुनावों में निर्णायक साबित हुआ। बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता, माइक्रो मैनेजमेंट और डेटा आधारित रणनीति ने पार्टी को बढ़त दिलाई। 3. नेतृत्व की स्पष्टता : देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे की जोड़ी ने मतदाताओं को स्थिरता का भरोसा दिया। जहां फडणवीस शहरी और मध्यम वर्ग के नेता के रूप में उभरे, वहीं शिंदे ने मराठी अस्मिता और जमीनी राजनीति को साधा।

ठाकरे बंधु और बदली राजनीति

बीएमसी के नतीजों ने उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे की राजनीति के भविष्य पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। शिवसेना का जो आधार मुंबई और आसपास के शहरी क्षेत्रों में था, वह तेजी से कमजोर होता दिख रहा है। उद्धव ठाकरे की राजनीति लंबे समय तक भावनात्मक अपील, पारिवारिक विरासत और ह्यमराठी मानुसह्न की पहचान पर टिकी रही। लेकिन बदलते शहरी मतदाता ने विकास, प्रशासन और नेतृत्व की क्षमता को अधिक महत्व दिया। आदित्य ठाकरे को युवा और आधुनिक नेता के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश जरूर हुई, लेकिन जमीनी संगठन और स्पष्ट राजनीतिक लाइन के अभाव में यह प्रयोग सफल नहीं हो सका।

क्या खत्म हो रही है ठाकरे राजनीति?

यह कहना जल्दबाजी होगी कि ठाकरे राजनीति का पूरी तरह अंत हो गया है, लेकिन इतना तय है कि बीएमसी की हार ने उसकी रीढ़ तोड़ दी है। बिना मुंबई के संसाधनों और सांगठनिक ताकत के शिवसेना (ठाकरे गुट) के लिए राज्यव्यापी राजनीति करना बेहद कठिन होगा। अब ठाकरे गुट के सामने दो ही रास्ते बचते हैंकृया तो वह अपनी राजनीति का पुनर्गठन करे, नए मुद्दों और नए नेतृत्व के साथ मैदान में उतरे, या फिर धीरे-धीरे सीमित प्रभाव वाली पार्टी बनकर रह जाए।

कंग्रेस - एनसीपी की भूमिका

बीएमसी चुनावों में कांग्रेस और एनसीपी की भूमिका सीमित और कमजोर रही। शहरी महाराष्ट्र में कांग्रेस पहले ही अपना आधार खो चुकी है, जबकि एनसीपी आंतरिक गुटबाजी से जूझ रही है। ठाकरे गुट के साथ गठबंधन भी उन्हें अपेक्षित लाभ नहीं दिला सका।

महाराष्ट्र की राजनीति पर असर

बीएमसी में भाजपा की जीत का असर पूरे महाराष्ट्र पर पड़ेगा। इससे न केवल राज्य सरकार की स्थिति मजबूत होगी, बल्कि 2029 के विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए भी भाजपा को मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी। मुंबई जैसे महानगर पर नियंत्रण का मतलब हैकृराजनीतिक नैरेटिव, मीडिया प्रभाव और आर्थिक ताकत पर पकड़। यह भाजपा को राज्य की राजनीति में और मजबूत करेगी।

शहरी भारत का संदेश

बीएमसी चुनावों ने शहरी भारत का मिजाज साफ कर दिया है। मतदाता अब पहचान की राजनीति से आगे बढ़कर प्रदर्शन आधारित राजनीति चाहता है। सड़क, पानी, परिवहन, रोजगार और पारदर्शी प्रशासन उसके लिए प्राथमिक मुद्दे हैं। भाजपा ने इस बदले हुए मिजाज को समझा, जबकि विपक्ष अभी भी पुराने नारों और भावनात्मक अपील में उलझा दिखा। भाजपा और महायुति के लिए यह जीत जितनी बड़ी है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी। मुंबई की अपेक्षाएं बहुत ऊंची हैं। यदि बीएमसी में पारदर्शी और प्रभावी प्रशासन नहीं दिया गया, तो यह जीत जल्दी ही असंतोष में बदल सकती है। दूसरी ओर, ठाकरे गुट के लिए यह आत्ममंथन का समय है। यदि पार्टी समय रहते संगठन और राजनीति की नई दिशा तय नहीं करती, तो उसका प्रभाव और सिमट सकता है।

मुंबई ने बदल दी सियासत

बीएमसी चुनाव परिणामों ने यह साबित कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। भाजपा की यह जीत केवल संख्या बल नहीं, बल्कि विचार और नेतृत्व की जीत है। वहीं ठाकरे बंधुओं के लिए यह परिणाम चेतावनी है कि राजनीति में विरासत तभी चलती है, जब वह प्रदर्शन से जुड़ी हो। मुंबई ने अपना फैसला सुना दिया है। अब देखना यह है कि यह फैसला महाराष्ट्र और देश की राजनीति को किस दिशा में ले जाता है। इन चुनाव नतीजों ने यह संकेत दे दिया है कि शहरी मतदाता अब पारंपरिक भावनात्मक और क्षेत्रीय राजनीति से आगे निकलकर विकास, स्थिरता और मजबूत नेतृत्व को प्राथमिकता दे रहा है। बीते एक दशक से जिन नगर निकायों पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और कांग्रेसह्रएनसीपी का प्रभाव रहा, वहां भाजपा की बढ़त ने पुराने राजनीतिक समीकरणों को तोड़ दिया है। बीएमसी पर लंबे समय से शिवसेना का वर्चस्व रहा है। यह निगम केवल प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि राजनीतिक ताकत का प्रतीक भी रहा है। यहां से मिलने वाला आर्थिक और सांगठनिक बल किसी भी पार्टी को राज्य की राजनीति में मजबूत स्थिति देता है। ऐसे में बीएमसी में महायुति की बढ़त को उद्धव ठाकरे गुट के लिए सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है।

गणतंत्र का नया अध्याय: 'अधिकारों के शोर' से 'कर्तव्यों के अनुष्ठान' तक

-राजकुमार जैन, स्वतंत्र विचारक और लेखक

26 जनवरी 2026 की सुबह जब हम राजपथ से कर्तव्यपथ पर कदम बढ़ाने को उद्दत होंगे तो 77वें गणतंत्र दिवस का सूर्योदय एक नई राष्ट्रीय चेतना का साक्षी बनेगा। यह वह कालखंड है जिसे भविष्य के इतिहासकार 'भारत का अमृतकाल' लिखेंगे। 1950 में जब हमने अपने संविधान को अंगीकार किया था, तब हमारे सामने चुनौती थी बिखरे हुए भूगोल को एक 'राष्ट्र' के रूप में एकसूत्र करना। 76 वर्षों की अनवरत यात्रा के बाद, चुनौती अलग है, इस राष्ट्र को मात्र एक भौगोलिक इकाई से आगे बढ़ाकर एक 'विश्वगुरु' और 'आर्थिक महाशक्ति' के रूप में स्थापित करना है। इस महायज्ञ में हमारा संविधान केवल विधियों और कानूनों की पुस्तिका भर नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय चरित्र का 'जेनेटिक कोड' है, जिसे आत्मसात कर नागरीकों को अपने आचरण में उतारना होगा।

देशभक्ति का विकासः बलिदान से योगदान की ओर

हमें देशभक्ति की परिभाषा को समय की कसौटी पर कसना होगा। जब देश गुलाम था, तब देशभक्ति का अर्थ मातृभूमि की बेड़ियों को तोड़ने के लिए प्राणों की आहुति देना था। उस समय 'मरमिटना' ही धर्म था। किंतु, स्वतंत्र भारत में देशभक्ति का स्वरूप बदल चुका है। आज भारत को अपनी सीमाओं पर प्राण देने वाले वीरों की जितनी आवश्यकता है, उतनी ही आवश्यकता देश के भीतर 'सार्थक जीवन जीने वाले' समर्पित नागरिकों की भी है।

देशभक्ति तोप और तलवार की मोहताज नहीं है। वो तो एक 'मौन कर्मयोग' है। यह वह देशभक्ति है जो बगैर कोई शोर किये अपने कर्म से राष्ट्र की नींव को फौलादी बनाती है। हमें यह समझना होगा कि हमारा संघर्ष अब किसी बाहरी शत्रु से नहीं, बल्कि अपनी ही कमियों, आलस्य, भ्रष्टाचार, अनुशासनहीनता और 'चलता है' वाली मानसिकता से है। 'स्वराज' हमें हमारे पूर्वजों ने दिया, अब इसे 'सुराज' में बदलने का दायित्व हमारी पीढ़ी का है।

बिना वर्दी का सैनिकः व्यापक देशभक्तिह्न की अवधारणा

इस गणतंत्र दिवस पर, हम एक नई अवधारणा 'व्यापक देशभक्ति' को साथ लेकर आगे बढ़े, हम अक्सर सोचते हैं कि देश की सेवा केवल वदीर्धारी सैनिक, वैज्ञानिक या बड़े राजनेता ही कर सकते हैं। वास्तव में यह एक भ्रम मात्र है। आज भारत को करोड़ों 'बिना वर्दी वाले सैनिकों' की आवश्यकता है। विचार कीजिए, जब एक नवशिक्षित युवा नौकरी मांगने के बजाय नौकरी देने वाला बनता है और अपने इनोवेशन से विदेशी निर्भरता कम करता है, तो वह एक 'सक्षम सैनिक' है। जब एक गृहिणी अपने घर में बिजली और पानी की बचत करती है और 'मिशन लाइफ' को अपनाती है, तो वह एक 'पर्यावरण सैनिक' है। जब एक छात्र डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देता है और तकनीक का प्रयोग समाज की भलाई के लिए करता है, तो वह 'डिजिटल सैनिक' है। एक करदाता जो ईमानदारी से कर चुकाता है, वह राष्ट्र के ढांचे का आर्थिक सैनिक है। यही 'व्यापक देशभक्ति' है। सड़क पर लाल बत्ती पर रुकना, सार्वजनिक संपत्ति को अपना समझना, और कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना, यह सब राष्ट्रआराधना के ही रूप हैं। ये छोटे-छोटे कार्य जब 140 करोड़ बार दोहराए जाते हैं, तो राष्ट्र की प्रगति का एक ऐसा ज्वार उठता है जिसे दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती।

अधिकार बनाम कर्तव्यः संविधान की आत्मा

मानवीय सभ्यताओं का इतिहास गवाह है कि महानतम राष्ट्र वे नहीं बने जिनके पास सबसे अधिक संसाधन थे, बल्कि वे बने जिनके नागरिकों में 'कर्तव्य बोध' सर्वोच्च था। पिछले 75 वर्षों में हमने अपने 'अधिकारों' पर बहुत चर्चा की है। हम धरने पर बैठे, हमने मांगें कीं, और संविधान ने हमें वे अधिकार दिए भी। लेकिन, अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यदि हम केवल अधिकारों का भोग करेंगे और कर्तव्यों को विस्मृत कर देंगे, तो लोकतंत्र विकलांग हो जाएगा।

संविधान का अनुच्छेद 51क (मूल कर्तव्य) केवल कानूनी पंक्तियाँ नहीं हैं, वे एक श्रेष्ठ भारतीय नागरिक की परिभाषा हैं। प्रधानमंत्री जी ने जिस 'पंच प्रण' का आह्वान किया था, उसका मूल यही है कि हम गुलामी की हर सोच से मुक्ति पाएं और नागरिक कर्तव्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। क्या हम ३देश ने मुझे क्या दिया३ पूछने की बजाय यह बताने का साहस रखते हैं कि ३मैंने देश के लिए क्या किया३? जिस दिन भारत का हर नागरिक, चाहे वह रिक्शा चालक हो या कंपनी का सीईओ, अपने काम को ही 'पूजा' मान लेगा, उसी दिन भारत विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में सबसे आगे खड़ा नजर आएगा।

विश्व पटल पर भारत और हमारा चरित्र

आज विश्व भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा है। चाहे वैश्विक कूटनीति हो, अंतरिक्ष विज्ञान हो या आर्थिक स्थिरता, भारत एक समाधान बनकर उभरा है। लेकिन एक राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके 'सॉफ्ट पावर' में होती है, और सॉफ्ट पावर को शक्ति मिलती है सामान्य नागरिक के आचरण से।

जापान या सिंगापुर जैसे देशों का उदाहरण लें। वहां की प्रगति का कारण केवल सरकारें नहीं, बल्कि वहां के नागरिकों का 'सिविक सेंस' है। जब हम विदेशी मेहमानों के समक्ष स्वच्छ और शालीन आदतों का प्रदर्शन करते हैं, या अपनी विरासत का सम्मान करते हैं, तो हम भारत की ब्रांडिंग कर रहे होते हैं। गंदगी फैलाना, नियमों को तोड़ना या सार्वजनिक स्थानों पर अभद्रता करना केवल एक व्यक्तिगत गलती नहीं है, यह 'भारत माता' की धवल छवि पर कालिख पोतने जैसा है। हमें तय करना होगा कि हम दुनिया को कैसा भारत दिखाना चाहते हैं।

आज 2026 में खड़े होकर, जब हम 2047 जब हमारा देश अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा की ओर देखते हैं, तो प्रश्न यह उठता है कि हम आगामी पीढ़ी को कैसा भारत सौंपेंगे? क्या एक ऐसा भारत जो अभी भी विकासशील होने के संघर्ष में उलझा है, या एक ऐसा 'विकसित भारत' जो दुनिया का नेतृत्व कर रहा है?

इसका उत्तर संसद के गलियारों में नहीं, बल्कि हमारे संकल्पों में है। आइए, इस गणतंत्र दिवस पर हम केवल तिरंगे को सलामी न दें, बल्कि अपने अंतर्मन में एक शपथ लें। शपथ लें कि हम 'याचक' नहीं, 'निमार्ता' बनेंगे। शपथ लें कि हम भारत को अपनी जाति, धर्म या भाषा के चश्मे से नहीं, बल्कि 'भारतीयता' के गौरव से देखेंगे। हमारा हर कदम राष्ट्र के लिए उठे, हमारी हर सांस में राष्ट्र का हित हो। जब 140 करोड़ कदम एक ही दिशा में, एक ही लय और एक ही संकल्प के साथ पड़ेंगे, तो दुनिया की कोई भी ताकत भारत को परम वैभव के शिखर पर पहुँचने से नहीं रोक सकेगी। यही समय है, सही समय है।

ट्रम्प किस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर रहे हैं

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का दबदबा उस समय पूरी तरह से प्रद ?शत हुआ, जब उन्होंने फ्लोरिडा स्थित अपने आवास मार-ए-लागो में मंच पर आकर वेनेजुएला के खिलाफ अमरीकी सैन्य कार्रवाई की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को न्यूयॉर्क में नार्को-आतंकवाद के आरोपों में मुकद्दमे का सामना करने के लिए गिरफ्तार करना एक शानदार हमला था। उन्होंने घोषणा की कि अमरीका देश का शासन चलाएगा और इसके तेल भंडार का उपयोग उन अमरीकी कंपनियों को मुआवजा देने के लिए करेगा, जिनके निगमों का लगभग दो दशक पहले राष्ट्रीयकरण कर दिया गया था।

क्या वेनेजुएला में अमरीकी सैन्य कार्रवाई वास्तव में नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए थी? सन 2000 से, मादक पदार्थों की ओवरडोज से लगभग सवा दस लाख अमरीकी नागरिकों की मौत हो चुकी है। लेकिन, इनमें से लगभग 69 प्रतिशत मौतें फेंटानिल के कारण हुईं, जिसके पूर्ववर्ती रसायन चीन में उत्पादित होते हैं। वेनेजुएला अमरीका में कोकीन का एक मामूली स्रोत है। हालांकि, वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है। ट्रम्प की इस घोषणा के बाद कि अमरीकी तेल कंपनियां, जो दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियां हैं, अब दक्षिण अमरीकी देश में प्रवेश करेंगी, उनके इरादों की और पुष्टि की कोई आवश्यकता नहीं रह गई है। अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन : वेनेजुएला में अमरीका की कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय कानून का सबसे घोर उल्लंघन है। इस बात पर जोर देने की शायद ही जरूरत है कि इस कार्रवाई ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल अनुच्छेद 2(4) का उल्लंघन किया है, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी या आत्मरक्षा (अनुच्छेद 51) के अलावा किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल के खतरे या उपयोग को प्रतिबंधित करता है। यह घटना अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में शक्ति संतुलन के बिगड़े का संकेत देती है। मूल रूप से कई देशों के बीच शांति बनाए रखने के लिए यूरोप द्वारा निर्मित इस व्यवस्था में 20वीं शताब्दी में आमूल-चूल परिवर्तन हुए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, इसने अमरीका और सोवियत संघ को मुख्य भूमिका में रखते हुए एक द्विध्रुवीय संरचना को जन्म दिया। इस दौरान, कोई भी देश बेरोकटोक शक्ति का इस्तेमाल नहीं कर सका। एक देश दूसरे को संतुलित करता रहा, जिससे एक नाजुक शांति बनी रही। सत्ता का संतुलन : वेनेजुएला पर हमले से दिसम्बर, 1971 में बंगलादेश युद्ध के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप में सत्ता के समीकरणों की याद आती है। इसने राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के भारत-विरोधी प्रशासन की साजिशों को नाकाम कर दिया। जब वाशिंगटन ने नई दिल्ली को डराने और आत्मसमर्पण कराने के लिए अमरीकी सातवें बेड़े की टास्क फोर्स टी.एफ.-74 को तैनात किया, तो सोवियत संघ ने क्रूजर, विध्वंसक और पनडुब्बियों की जवाबी तैनाती करके खतरे को बेअसर कर दिया। यह शक्ति संतुलन की अवधारणा के एक विशिष्ट उदाहरण के रूप में एक महाशक्ति द्वारा दूसरी महाशक्ति का प्रतिकार था। इसी तरह, जब 1973 के योम किप्पुर युद्ध में मिस्र की तीसरी सेना पर इसराईल के हाथों विनाश का खतरा मंडराया, तो सोवियत नेता लियोनिद ब्रेझनेव ने हवाई डिवीजनों को तैयार क्षेत्रों में तैनात किया, क्योंकि मिस्र मास्को का करीबी सहयोगी था। चिंतित अमरीका ने डेफकोन-3 (अमरीकी रक्षा तत्परता/खतरे का अलर्ट) घोषित किया। इसराईल ने आत्मसमर्पण कर दिया और सोवियत चेतावनी ने मिस्र की सेना को बचा लिया। हालांकि, 1991 में सोवियत संघ के पतन के साथ, दुनिया ने अमरीका द्वारा सत्ता के अनियंत्रित दुरुपयोग को चुनौती देने में सक्षम एकमात्र शक्ति खो दी। इससे उत्साहित होकर, वाशिंगटन ने पूर्वनिवारक (प्री-एम्पटिव) युद्ध में शामिल होने का अधिकार प्राप्त कर लिया है। इसने प्रत्यक्ष कार्रवाई या समथत आंदोलनों के माध्यम से ईराक, मिस्र, लीबिया और सीरिया में सरकारों को उखाड़ फैंका है। निकट भविष्य में, केवल चीन ही अमरीका के प्रतिसंतुलन के रूप में उभर सकता है। रूस और चीन के बीच एक ढीला गठबंधन मौजूदा एकध्रुवीय संरचना को चुनौती दे सकता है, हालांकि प्रमुख शक्तियों के बीच मतभेद एक स्थायी सांझेदारी को रोक सकते हैं। अमरीका ने एक बार फिर भारत के सुरक्षा हितों के प्रति अपनी असंवेदनशीलता साबित कर दी है, ऐसे में नई दिल्ली को एक प्रतिसंतुलनकारी शक्ति बनने के लिए अभी लंबा सफर तय करना है। उसे अपने सैन्य-औद्योगिक परिसर के निर्माण और रक्षा को मजबूत करने के लिए एक कल्पनाशील और लीक से हटकर रणनीति विकसित करनी होगी।-थॉमस मैथ्यू

भगवान पाटील को मिली एलएल.एम. की उपाधि

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दि म्युनिसिपल को-ऑपरेटिव बैंक के उपमहाप्रबंधक भगवान पाटील ने नवंबर 2025 में मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एलएल.एम. (मास्टर ऑफ लॉ) की अंतिम परीक्षा में द्वितीय श्रेणी में सफलता प्राप्त की है। अपनी इस सफलता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भगवान पाटील ने आनंद विश्वगुरुकुल लॉ कॉलेज के प्राचार्य सुयश प्रधान सहित डॉ. सुषमा सातपुते, निशा गायकवाड, सोहिनी चट्टोपाध्याय, सदिच्छा पाटकर, वैदेही मुले एवं अन्य प्राध्यापकों के अमूल्य मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। भगवान पाटील बी.ई., एम.एम.एस., सीएआईआईबी तथा जीडीसीए जैसी उच्च शैक्षणिक योग्यताओं से संपन्न हैं और उन्हें बैंकिंग क्षेत्र में 22 वर्षों का दीर्घ अनुभव प्राप्त है। सेवा के साथ उच्च शिक्षा में मिली यह सफलता प्रेरणादायी मानी जा रही है।

प्रभाग क्रमांक 22 में बहुजन विकास आघाड़ी की ऐतिहासिक हार

वसई। विरार महानगरपालिका चुनाव में प्रभाग क्रमांक 22 से बहुजन विकास आघाड़ी की चारों सीटों पर हुई करारी हार कोई संयोग नहीं, बल्कि उत्तर भारतीय समाज के साथ किया गया एक सोचा-समझा राजनीतिक अन्याय है। यह हार सीधे-सीधे गलत टिकट वितरण, आपसी षड्यंत्र और स्वार्थी नेतृत्व का परिणाम है। बहुजन विकास आघाड़ी ने प्रारंभ में एक योग्य दावेदार के नाम की घोषणा कर स्पष्ट संकेत दिया था, किंतु ऐन वक्त पर कुछ संदिग्ध व्यक्तियों की मिलीभगत से टिकट वितरण में अचानक बदलाव किया गया। इस एकतरफा थोपे गए निर्णय ने उत्तर भारतीय समाज में जबरदस्त आक्रोश पैदा किया और समाज दो फाड़ हो गया।

इस आपसी टकराव और अंदरूनी तोड़फोड़ का नतीजा यह रहा कि बहुजन विकास आघाड़ी प्रभाग क्रमांक 22 की चारों सीटें गंवा बैठी, और भारतीय जनता पार्टी के चारों उम्मीदवार विजयी हुए। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इन चार विजयी उम्मीदवारों में एक भी उत्तर भारतीय समाज से नहीं है। अर्थात उत्तर भारतीय समाज की राजनीतिक ताकत को आपसी लड़ाई के जरिये पूरी तरह कमजोर कर दिया गया। यह भी अब स्पष्ट होता जा रहा है कि जिन-जिन क्षेत्रों में कुछ संदिग्ध नेतृत्वकर्ता सक्रिय रहे या जिन उम्मीदवारों पर उन्होंने प्रभाव डाला, वहां संगठन को नुकसान ही उठाना पड़ा। उनके साथ चलने वालों को न तो सम्मान मिला, न संरक्षण और न ही कोई स्थायी राजनीतिक भविष्य। ऐसी राजनीति अपने लिए सब कुछ, समाज के लिए कुछ नहीं की मानसिकता को उजागर करती है। उत्तर भारतीय समाज अब यह समझ चुका है कि अत्यधिक महत्वाकांक्षा, व्यक्तिगत एजेंडा और सत्ता-लोलुपता ने वसईविरार महानगरपालिका में समाज को बार-बार हाशिए पर धकेला है। ऐसे नेतृत्व ने न केवल बहुजन विकास आघाड़ी को नुकसान पहुंचाया, बल्कि उत्तर भारतीय समाज की वर्षों की मेहनत पर भी पानी फेर दिया। अब समय आ गया है कि उत्तर भारतीय समाज आंखें खोले, आत्मनिर्भर बने, आपसी एकता को मजबूत करे और संदिग्ध व स्वार्थी नेताओं की पहचान कर किनारे करे, जो समाज के नाम पर केवल अपना हित साधते हैं। यदि समय रहते सबक नहीं लिया गया, तो आने वाले चुनावों में समाज और भी पीछे धकेला जाएगा।

शुरूआती निवेश के लिए नागपुर क्यों बन रहा है रियल एस्टेट आर्बिट्रेज का बड़ा अवसर

मुंबई। भारत में रियल एस्टेट निवेशक आज ऐसे कॉरिडोर की तलाश में हैं जहाँ सुरक्षा, स्थिरता और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर विकास स्पष्ट रूप से दिखाई देता हो। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अटल सेतु जैसी परिवर्तनकारी परियोजनाओं के चलते पनवेल, उल्वे, द्रोणागिरी, खोपोली, करजत और अलीबाग जैसे माइक्रो मार्केट्स में बीते कुछ वर्षों में 35 से 70 प्रतिशत तक की तेज कीमत वृद्धि दर्ज की गई है। इसी मॉडल पर अब नागपुर शुरूआती दौर के निवेश के लिए उभरता हुआ अवसर बन रहा है। इस बीच यह स्पष्ट किया जाता है कि हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा की स्थापना वर्ष 2020 में हुई है और इसका लोढ़ा / लोढ़ा ग्रुप से किसी भी प्रकार का कोई संबंध नहीं है। कॉलियर्स की इमर्जिंग इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटिज इन इंडिया 2025 रिपोर्ट के अनुसार, नागपुर देश के 30 टियर-2 शहरों में भारत का नंबर-1 उभरता हुआ शहर है। समृद्धि महामार्ग के पूर्ण संचालन से मुंबई-नागपुर की दूरी लगभग 8 घंटे रह गई है, जिससे कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार हुआ है। शहर में कुल 4.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों की प्रमुख भूमिका है। अडानी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और जेएसडब्ल्यू जैसे समूहों की भागीदारी से अगले पाँच वर्षों में लगभग तीन लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार, नागपुर वर्तमान में रियल एस्टेट ग्रोथ साइकिल के शुरूआती चरण में है, जहाँ सही समय पर किया गया निवेश दीर्घकालीन लाभ दे सकता है।

किस्मत आपकी, मस्ती मेरी, अक्षय कुमार ने व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया का नया प्रोमो जारी किया

मुंबई/पटना। अक्षय कुमार व्हील घुमाने और अपने खास अंदाज के साथ भारतीय टेलीविजन पर वापसी करने को तैयार हैं। व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया का प्रीमियर 27 जनवरी 2026 को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होगा। यह शो सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे प्रसारित होगा।

हालिया टेलीविजन प्रोमो में अक्षय अपने पूरे रंग में नजर आ रहे हैं: हाजिरजवाब, एनर्जेटिक और आसानी से लोगों को अपनी ओर खींचने वाले। गेमप्ले के साथ ह्यूमर का तड़का लगाते हुए, प्रोमो शो के मुख्य ट्विस्ट को दिखाता है जहाँ हर अक्षर मायने रखता है। शब्दों की गलतफहमी कर सकती है बेरहमी और अब मैटर करेगा हर एक अक्षर जब घूमेगा जादू का चक्करह्ह जैसी टैगलाइन माहौल बनाती हैं, यह दिखाते हुए कि कैसे शब्द, अक्षर और तेज सोच पल भर में किस्मत बदल सकते हैं।

इंस्टाग्राम पर, अक्षय कुमार ने अपने खास अंदाज में मजाकिया अंदाज में अपना एक्साइटमेंट शेयर करते हुए लिखा, किस्मत आपकी, पैसा चैनल का, ह्यूमर और ढेर सारी मस्ती मेरी तरफ से ; ... और भी बहुत कुछ व्हील ऑफ फॉर्च्यून के साथ जो आ रहा है 27 जनवरी से, सोमवार-शुक्रवार रात 9 बजे सिर्फ @sonytvofficial और @sonyliveinपर। इस पोस्ट ने पहले ही फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी है जो उन्हें इस जॉनर में वापस देखने के लिए बेताब हैं।

ग्लोबली, व्हील ऑफ फॉर्च्यून टेलीविजन इतिहास के सबसे आइकॉनिक गेम शो में से एक है। वैरायटी द्वारा अमेरिकी टेलीविजन पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाले एंटरटेनमेंट शो के रूप में पहचाना गया, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा दुनिया के सबसे लोकप्रिय टीवी गेम शो के रूप में सम्मानित किया गया।

उद्योग, शासन, नवाचार और सामाजिक प्रभाव में राष्ट्र निमार्ताओं का सम्मान : प्रगत भारत पुरस्कार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। एक नई दिशा द्वारा आयोजित और Afternoon Voice द्वारा प्रस्तुत प्रगत भारत पुरस्कार का आयोजन गरिमा, उद्देश्य और राष्ट्रीय भावना के साथ संपन्न हुआ। इस मंच पर शासन, उद्योग, कूटनीति, सामाजिक सेवा और नवाचार से जुड़े देश के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व एक साथ उपस्थित रहे।

इस गरिमामय समारोह में उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री श्री धन सिंह रावत; उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री तीरथ सिंह रावत; प्रसिद्ध अभिनेता श्री शिवाजी साटम; स्वीडन के उप महावाणिज्य दूत श्री जोआकिम गुन्नारसन; मैक्सिको की उप महावाणिज्य दूत सुश्री एड्रियाना विलानुएवा बेसेरिल; तथा एडवोकेट निहार ठाकरे, संस्थापक एवं मैनेजिंग पार्टनर, विस लेजिस लॉ प्रैक्टिस—जैसे विशिष्ट मुख्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में उन व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित किया गया, जिनका योगदान उद्यमिता, स्वास्थ्य सेवा, कानून, संस्कृति, कृषि, कूटनीति, तकनीक और सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्रों में भारत की प्रगति को सशक्त करता है।

बेस्ट होटलियर एंड एंटरप्रेन्योर पुरस्कार स्वीकार करते हुए, कामत होटल्स समूह के कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. विठल कामत ने व्यवसाय में धैर्य और दृढ़ता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, भारत में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने अवसरों की कमी के बावजूद असाधारण सफलता प्राप्त की। लेकिन सफलता का अर्थ यह नहीं कि चुनौतियाँ समाप्त हो जाती हैं—व्यवसाय में नुकसान अपरिहार्य हैं। कोविड काल में मुझे भारी क्षति

हुई, लेकिन मैंने इसे विनम्रता और संकल्प के साथ स्वीकार किया। असली मायने समर्पण, प्रतिबद्धता और हर चुनौती से उबरने की शक्ति के हैं। सभा को संबोधित करते हुए श्री धन सिंह रावत ने उद्यमिता को प्रोत्साहित करने में सम्मान-आधारित मंचों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, युवाओं और स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों की अत्यंत आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को स्पष्ट दिशा दी है। सम्मान और सराहना से व्यवसायियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उद्यमशीलता को गति मिलती है। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री तीरथ सिंह रावत ने भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का सपना साकार होने की दिशा में है। उन्होंने कहा, इस तरह के आयोजन अनुभव और नवाचार के बीच की दूरी को पाटते हैं।

उन्होंने Afternoon Voice की संपादक डॉ. वैदेही तामन की सराहना करते हुए कहा कि कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों को उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाने हेतु दी गई सहायता अत्यंत सराहनीय है। इस प्रकार का सहयोग वंचित वर्गों में आत्मविश्वास पैदा करता है और यह संदेश देता है कि समाज उनके साथ खड़ा है, उन्होंने जोड़ा।

सामाजिक समावेशन पर बोलते हुए, सामाजिक परिवर्तन और समावेशी नेतृत्व के लिए सम्मानित आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने कहा, ट्रांसजेंडर समुदाय को सशक्त बनाना एक कठिन संघर्ष रहा है। लेकिन जब आपके कार्य की सराहना होती है, तो आगे बढ़ने की शक्ति और प्रेरणा मिलती है।

एडवोकेट निहार ठाकरे ने कहा, कानून का अभ्यास जिम्मेदारी का कार्य है—संविधान, संस्थानों और समाज के प्रति। तेजी से बदलते भारत में वकीलों की भूमिका केवल कानून की व्याख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि नैतिकता के साथ प्रणाली को सुदृढ़ करना और निष्पक्ष प्रगति को संभव बनाना है। मैं इस उद्देश्य के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध हूं।

लोगों ने हमें अत्यंत स्नेह और सहयोग दिया है। अपने बड़े कद और उपलब्धियों के बावजूद उन्होंने हर प्रयास में हमारा साथ दिया। इस मंच का उद्देश्य विभिन्न व्यापार समूहों को एक साथ लाकर भविष्य के लिए सार्थक अवसरों का सृजन करना है।

मुंबई में सिर्फ दो भाई एकनाथ और देवेंद्र, जयचंद पर शिवसेना का पलटवार

मुंबई। शिवसेना प्रवक्ता सुसीबेन शाह ने शनिवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को 'जयचंद' कहने पर संजय राउत की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी का विभाजन शिवसेना (यूबीटी) सांसद की वजह से हुआ है और उन्होंने राउत से पिछले कुछ वर्षों के अपने आचरण पर गौर करने को कहा। एएनआई से बात करते हुए शाह ने कहा, जहाँ तक संजय राउत का सवाल है, उन्हें पिछले कुछ वर्षों के अपने आचरण पर गौर करना चाहिए। उन्हीं की वजह से शिवसेना का विभाजन हुआ। उन्होंने महाराष्ट्र के नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) गठबंधन को बीएमसी चुनावों में सबसे बड़ा गठबंधन बनने में सहयोग दिया।शाह ने कहा कि सबसे पहले, मैं महाराष्ट्र के नागरिकों, मुंबई के नागरिकों को हमें शानदार जीत दिलाने के लिए धन्यवाद देना चाहूंगी। हम सबका साथ, सबका विकास और महा विकास की दिशा में काम करेंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भाजपा और शिवसेना से मिलकर बनी सत्तारूढ़ महायुति के पास बहुमत है और मुंबई में अपना मेयर नियुक्त करने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। महायुति के पास बहुमत है, संख्या बल है और अपना मेयर नियुक्त करने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे साथ बैठकर एक सम्मानजनक समाधान निकालेंगे। मुंबई में सिर्फ दो भाई हैं, देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे। यह विवाद शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत द्वारा आज बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव परिणामों के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तीखा हमला करने के बाद सामने आया है।

राज्य क्रीड़ा दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

खिलाड़ी कभी संकट में नहीं डगमगाताः प्राचार्य डॉ. किरण सावे

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। खिलाड़ी चाहे कितनी भी कठिन परिस्थिति में क्यों न हो, वह कभी डगमगाता नहीं। पढ़ाई में कम अंक आने पर विद्यार्थी हताश हो सकता है, लेकिन खिलाड़ी धैर्य और आत्मविश्वास के साथ हर संकट का सामना करता है। इसी मानसिक मजबूती के कारण खिलाड़ी कला, क्रीड़ा, नौकरी और व्यवसाय जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सफल होता है। यह विचार दांडेकर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण सावे ने राज्य क्रीड़ा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये।

ओलंपिक वीर खाशाबा जाधव की जयंती के उपलक्ष्य में 15 जनवरी को पालघर जिले में राज्य क्रीड़ा दिवस बड़े उत्साह और जोश

के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. किरण सावे के शुभहस्ते संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खाशाबा जाधव का नाम क्रीड़ा क्षेत्र में ऊर्जा का प्रतीक है और इस ऊर्जा को खेलों के माध्यम से पदकों में बदलने का प्रयास खिलाड़ियों को करना चाहिए। साथ ही ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के लिए निरंतर मेहनत और समर्पण आवश्यक है। खाशाबा जाधव की जयंती के अवसर पर एक चर्चासत्र का आयोजन किया गया। इसके साथ ही दांडेकर महाविद्यालय एवं जिला क्रीड़ा संकुल में सॉफ्टबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस दौरान पालघर जिले के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा प्रशिक्षकों और निर्णायकों (पंचों) का भी सम्मान किया गया। जिला क्रीड़ा अधिकारी सुहास व्हनमाने ने पालघर जिले की सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से 15 जनवरी को खाशाबा जाधव की जयंती के अवसर पर राज्य क्रीड़ा दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में दांडेकर महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ. महेश देशमुख, क्रीड़ा संचालक संतोष चुरी, सत्तू कदम महाविद्यालय के प्रीतम घरत, दिगंबर कदम, शुभांगी पाटील, प्रीतेश पाटील, राकेश ठाकरे, उज्वला लांडगे सहित अनेक मान्यवर उपस्थित थे।

महापालिका में 25 वर्ष बाद सत्ता परिवर्तन का स्वागत, शिंदे गट का बने मुंबई का अगला महापौरः डॉ विवेकानंद जाजू

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई महानगरपालिका चुनाव में महायुति को मिली प्रचंड जीत से उत्साहित बांद्रा पूर्व के शिव सैनिकों ने शिवसेना (शिंदे गट) नेता डॉ. विवेकानंद जाजू के नेतृत्व में जश्न मनाया। डॉ जाजू ने कहा कि पहली बार उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना ने मुंबई में चुनाव लड़ा और शानदार सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि मुंबई महानगरपालिका में 25 वर्ष बाद हुए सत्ता परिवर्तन से बांद्रा पूर्व के शिवसैनिक उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि सभी शिव सैनिकों ने कड़ी मेहनत की और महायुति को जीत

दिलाई।

उन्होंने कहा कि सत्ता परिवर्तन के बाद म्हाडा और महानगरपालिका में मनमानी पर विराम लगेगा और आम जनता के हितों के लिए काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगला महापौर शिंदे गट का मराठी होगा तथा महानगरपालिका में सत्ता परिवर्तन के बाद अब मुंबई के विकास का नया दौर शुरू होगा और जनता को बुनियादी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। डॉ जाजू ने कहा कि उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन और नेतृत्व में बांद्रा पूर्व में शिवसेना सबसे मजबूत पार्टी के रूप में लगातार विकास का काम करती रहेगी।

एकता विकास और युवा नेतृत्व पर भरोसे की जीत : तेजिंदर सिंह तिवाना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई महानगरपालिका चुनाव में भाजपा के लिए वार्ड 47 की सीट जीतना अत्यंत महत्वपूर्ण था, क्योंकि इस सीट से पार्टी ने मुंबई भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजिंदर सतनाम सिंह तिवाना को उम्मीदवार बनाया था। युवा नेतृत्व का प्रतीक होने के नाते, इस सीट पर जीत भाजपा के लिए सम्मान और प्रतिष्ठा का सवाल थी।

वार्ड 47 की जटिल और विभिन्न धर्म और समुदाय के मतदाताओं को देखते हुए यह मुकाबला भाजपा के लिए आसान नहीं था। ऐसे में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यदि इस वार्ड से भाजपा को कोई विजयी बना सकता था, तो वह केवल तेजिंदर सतनाम सिंह तिवाना ही थे।

वार्ड 47 की मतदाता संरचना में लगभग 22% मराठी, 21% दक्षिण भारतीय, 12% ईसाई और 6% मुस्लिम मतदाता शामिल हैं, जिससे यह क्षेत्र वइळ या कांग्रेस जैसे प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों के लिए आसान विजय का ब्लूप्रिंट बनाता है। वहीं भाजपा के परंपरागत मतदाता भी इस वार्ड में ठीकठाक संख्या 17% उत्तर भारतीय/पंजाबी और 18% गुजराती/राजस्थानी में हैं। लेकिन पुनर्विकास के चलते बड़ी संख्या में मतदाता वार्ड से बाहर दूसरे स्थानों

पर रहने चले गए, और मतदान का दिन मकर संक्रांति होने के कारण गुजराती मतदाताओं की अनुपस्थिति भी एक बड़ी चुनौती बनी। इन सभी परिस्थितियों के बावजूद भाजपा की यह प्रचंड जीत तेजिंदर सतनाम सिंह तिवाना की मेहनत, स्थानीय स्वीकार्यता और मजबूत जनसंपर्क के कारण संभव हो पाई।

तेजिंदर सतनाम सिंह तिवाना और उनका परिवार पिछले 40 वर्षों से अधिक इस क्षेत्र में निरंतर जनसेवा कर रहा है, यही कारण है कि क्षेत्र की जनता का उनके परिवार से गहरा विश्वास और जुड़ाव रहा है। इस जीत का श्रेय भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को भी जाता है, जिन्होंने इस बार युवाओं पर विश्वास जताया और उन्हें अवसर दिया। युवाओं ने अपनी नई सोच और जोश के साथ इस बीएमसी चुनाव का परिदृश्य ही बदल कर रख दिया।

तेजिंदर का मदद का ठिकाना अभियान इस चुनाव की पहचान बन गया। यह अभियान मतदाताओं में ऐसा उत्साह भरने में सफल रहा कि माहौल किसी नगरसेवक चुनाव का नहीं, बल्कि विधानसभा चुनाव जैसा प्रतीत हो रहा था। अभियान के गीत, विज्ञापन फिल्में और सोशल मीडिया पर साझा किया गया कंटेंट जनता से सहज रूप से जुड़ता चला गया। क्योंकि तेजिंदर सतनाम सिंह तिवाना और उनका परिवार बिना किसी पद के भी स्थानीय नागरिकों के लिए दिन रात उपलब्ध रहे, और यही निरंतर सेवा भाव जनता के विश्वास में बदल गया।

तेजिंदर सतनाम सिंग तिवाना की यह जीत सही मायनों में मुंबई की स्पिरिट की जीत है—जहाँ भाषा और प्रांत के आधार पर समाज को बाँटने वाले नरेटिव से ऊपर उठकर जनता ने एक मेहनती, सदा उपलब्ध रहने वाले युवा उम्मीदवार को प्रचंड मतों से विजयी बनाया।

घाटकोपर में भव्य संगीतमय श्रीराम कथा की अमृत वर्षा

आदेश मिश्र

मुंबई। श्री स्वामी समर्थ मित्र मंडल द्वारा घाटकोपर पश्चिम स्थित जयभारत मैदान, गांवदेवी में 10 जनवरी से नवदिवसीय भव्य संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन आयोजन में कथा वाचक परम पूज्य श्री दिलीप जी महाराज, श्री जगदीश पीठाधीश्वर, अपने मुखारबिंदु से अत्यंत मार्मिक एवं भावपूर्ण श्रीराम कथा का रसपान करा रहे हैं। कथा श्रवण के दौरान श्रोतागण भावविभोर हो उठते हैं और पूरा प्रांगण मानो राममय वातावरण से गुंजायमान हो जाता है। श्रद्धालु भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। और आज 18 जनवरी को कथा समापन के पश्चात हवन, आरती एवं महाप्रसाद (भंडारे) का आयोजन भी किया गया है। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष पंकज सिंह (ठाकुर), सचिव मुरलीधर यादव, कोषाध्यक्ष रंजीत पांडेय, उपाध्यक्ष सुनील उपाध्याय एवं राधेमोहन यादव हैं। उपसचिव राजेश सिंह, चंदू शर्मा तथा उपकोषाध्यक्ष राजेश देवतवाल एवं रमेश साहु हैं। प्रमुख सलाहकार के रूप में पारसनाथ सिंह, संतोष सिंह, निगम सिंह, दलजीत पाण्डेय, कैलास सिंह, राजकुमार यादव, मोहित चौबे,

घनश्याम मिश्रा, ललित तिवारी, टी.पी. राव, नीरज सिंह, डॉ. आर. बी. सिंह, केतन दोशी, संतोष दुबे, चंदू शिवहरे सहित अनेक गणमान्यजन सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। युवा सदस्यों में प्रवेश तिवारी, आलोक सिंह, मिज्जू सिंह, गिरीश गामा सिंह, संदीप यादव, मुकेश यादव, श्याम यादव, नीरज तिवारी, रोहित सिंह (सनी), लव निगम सिंह, अभिषेक सिंह (मोनू), दिलीप कैलास सिंह, राहुल यादव, रितेश सिंह, रामसजीवन यादव, हर्ष यादव, प्रतीक यादव, मैदान व्यवस्थापक जय अंबे नवरात्रि महोत्सव मंडल,पूर्वांचल मित्र मंडल,जीतू मित्र मंडल सहित आसपास के तमाम श्रद्धालु भक्त विशेष रूप से सहयोग कर रहे हैं।

हिंद-दी-चादर कार्यक्रम की सफलता के लिए सामाजिक संगठनों की भागीदारी आवश्यकः जिलाधिकारी राहुल कर्डिले

- सामाजिक एकता, सेवा और प्रेरणा का ऐतिहासिक आयोजन
- अधिकतम योगदान देने की अपील

मुंबई(उत्तरशक्ति)। हिंद-दी-चादर अभियान के अंतर्गत श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी समागम वर्ष के उपलक्ष्य में नांदेड शहर में 24 व 25 जनवरी 2026 को मोदी मैदान में भव्य-दिव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन की सफलता के लिए सभी सामाजिक संस्थाओं, संगठनों और स्वयंसेवी कार्यकताओं को सकारात्मक भूमिका निभाते हुए सक्रिय सहभाग करना चाहिए, ऐसी अपील जिलाधिकारी राहुल कर्डिले ने की। जिलाधिकारी कार्यालय स्थित नियोजन भवन में आयोजित बैठक में वे संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर निवासी उपजिलाधिकारी किरण अंबेकर, जिला उद्योग केंद्र के महाव्यवस्थापक अमोल इंगले, कार्यकारी अधिकारी एवं समन्वयक डॉ. जगदीश सकवान, तहसीलदार संजय वारकड सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं व संगठनों के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे। जिलाधिकारी राहुल कर्डिले ने बताया कि कार्यक्रम स्थल मोदी मैदान पर लगभग 350 स्टॉल लगाए जायेंगे। प्रत्येक सामाजिक संगठन से कम से कम 5 से 10 स्टॉल लगाकर श्रद्धालुओं को सेवा देने का आह्वान किया गया है। ये स्टॉल दोनों दिन सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक खुले रहेंगे। प्रत्येक स्टॉल पर संबंधित संगठन का बैनर लगाया जायेगा तथा श्रद्धालुओं के लिए पीने का पानी, प्रसाद, अल्पाहार, जानकारी एवं अन्य सेवा सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेंगी। उन्होंने आगे बताया कि 24 जनवरी को तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा से निकलने वाली पालखी शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया जाये और बड़ी संख्या में सहभाग लिया जाये। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहने की संभावना है, इसलिए सेवा व्यवस्थाओं के लिए स्वयंसेवकों को अधिकाधिक योगदान देना चाहिए। प्रशासन के अनुसार इन दो दिनों में 8 से 10 लाख श्रद्धालुओं के नांदेड पहुंचने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक यंत्रणाओं के साथ-साथ सामाजिक संगठनों को भी पूरी तरह से तैयार रहने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार स्कूलों, महाविद्यालयों और सोशल मीडिया के माध्यम से किया जा रहा है। साथ ही, कार्यक्रम स्थल के बाहर, पार्किंग क्षेत्र और स्टॉल सामग्री लाने के लिए वाहनों एवं संबंधित व्यक्तियों को प्रवेश पास की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रजापति फॅब्रीकेशन ॲण्ड ग्रिल वर्क्स
93245 26742
98200 55193
93227 55403
PRAJAPATI
FABRICATION & GRILL WORKS
MANUFACTURERS OF
COMPOUND GATES, MS GRILLS, WATER TANKS, ROLL SHUTTER, COLLAPSIBLE DOOR & ALLUMINIUM SLIDING WINDOW
SHOP NO. 101, SAVERA CHS., LAST BUS STOP, VEERA DESAI ROAD, ANDHERI (W), MUMBAI-400053. GST No. : 27ANKPP6297R1ZP

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रायोगिक ज्ञान से विकसित होती है वैज्ञानिक तार्किक सोचः कुलपति

कुलपति प्रो.वंदना सिंह ने किया साइंस बस प्रदर्शनी का उद्घाटन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर परिसर में विद्यार्थियों को विज्ञान से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल शनिवार को हुई। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित साइंस बस प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. वंदना सिंह द्वारा किया गया। यह साइंस बस प्रदर्शनी विश्वविद्यालय परिसर में एक माह तक संचालित की जाएगी जिससे बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को विज्ञान के प्रयोगात्मक और व्यावहारिक पक्ष को नजदीक से समझने का अवसर मिलेगा।

साइंस बस प्रदर्शनी में आई.आई.टी. कानपुर की विशेषज्ञ टीम द्वारा विद्यार्थियों को विज्ञान से जुड़े विभिन्न प्रयोगों एवं आधुनिक उपकरणों की जानकारी अत्यंत रोचक एवं सरल तरीके से दी जा रही है। प्रदर्शनी में टेलीस्कोप, 3-डी प्रिंटर, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान से संबंधित अनेक प्रयोगों का जीवंत प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसे विद्यार्थी बड़े उत्साह और जिज्ञासा के साथ देख रहे हैं। इन प्रयोगों के माध्यम से छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न करने के साथ-साथ उनके वैचारिक और विश्लेषणात्मक कौशल को भी विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

उद्घाटन अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, नवाचार की प्रवृत्ति तथा तार्किक सोच के विकास में प्रायोगिक ज्ञान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। साइंस बस जैसी पहल विज्ञान को पुस्तकों की सीमाओं से बाहर लाकर विद्यार्थियों के दैनिक जीवन से जोड़ती हैं। पूर्वांचल विश्वविद्यालय का यह निरंतर प्रयास रहा है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों के युवाओं तक विज्ञान की पहुँच सुनिश्चित की जाए तथा उन्हें अनुसंधान एवं नवाचार के लिए प्रेरित किया जाए। डीएसटी पर्स परियोजना एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश का यह सहयोग विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं सामाजिक दायित्वों को और अधिक सुदृढ़ करता है।

उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों को केवल परीक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और समस्याओं के समाधान हेतु नवाचारी सोच विकसित करने के लिए प्रेरित करती हैं।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि साइंस बस प्रदर्शनी के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर में एक माह तक विज्ञान-प्रचार की गतिविधियाँ संचालित की जाएँगी, जिसमें विश्वविद्यालय के साथ-साथ क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों एवं संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी आमंत्रित किया गया है। उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं के साथ प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. मिथिलेश सिंह, उप कुलसचिव बबीता सिंह, डॉ. एस. पी. तिवारी, डॉ. धीरेंद्र चौधरी, डॉ. पुनीत धवन, डॉ. काजल डे, डॉ. सुजीत चौरसिया सहित शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका महत्वपूर्णः प्रो.पुरोहित

ट्रंप टैरिफ के बावजूद बढ़ता निर्यात भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था का परिचायकः प्रो.सिन्हा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा भारत की उभरती आर्थिक शक्ति और विकसित भारत @2047 विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए दून विश्वविद्यालय, देहरादून के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डीन प्रो. एच.सी. पुरोहित ने कहा कि आज वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की उभरती आर्थिक शक्ति दुनिया भर के निवेशकों के लिए एक पसंदीदा विकल्प बन रही है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के बाद जहां विश्व की कई बड़ी आर्थिक शक्तियां गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही हैं, वहीं भारत अपनी दूरदर्शी आर्थिक नीतियों के कारण तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित हुआ है। प्रो. पुरोहित ने कहा कि बीते वर्ष किए गए आर्थिक सुधारों-जैसे आयकर स्लैब में परिवर्तन एवं कर छूट के दायरे का विस्तार, जीएसटी 2.0 के अंतर्गत टैरिफ में बदलाव कर दरों में कटौती, बहुप्रतीक्षित चार श्रम संहिताओं का क्रियान्वयन तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए मनरेगा के दायरे का विस्तार कर गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (जी-राम-जी) जैसे कदम–रोजगार सृजन और ग्राम स्वराज की स्थापना की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होंगे। ये सभी प्रयास विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होंगे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ एवं चौधरी बंशी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी (हरियाणा) के आचार्य प्रो. एस.के. सिन्हा ने कहा कि भारत की आर्थिक मजबूती का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए अनावश्यक टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात निरंतर बढ़ रहा है।

इससे स्पष्ट है कि भारत व्यापार और औद्योगीकरण के क्षेत्र में एक विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में उभरा है। कार्यशाला में अतिथियों का स्वागत डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया। मंच संचालन डॉ. राकेश कुमार उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर डॉ. निशा पांडे, डॉ. सुशील कुमार सिंह एवं प्रिंस सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आजमगढ़ में छात्रा ने छेड़खानी करने वाले युवक को पीटा, वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां ई-रिक्शा में छेड़खानी कर रहे एक युवक को छात्रा ने सरेआम पीट दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, एलवल क्षेत्र स्थित एक विद्यालय की दो छात्राएं छुट्टी के बाद ई-रिक्शा से घर लौट रही थीं। इसी दौरान ई-रिक्शा में पहले से बैठे एक युवक ने छात्राओं पर अश्लील टिप्पणी करना शुरू कर दिया और बार-बार आई लव यू कहकर उन्हें परेशान करने लगा। शुरूआत में छात्राओं ने उसकी हरकतों को नजरअंदाज किया, लेकिन जब युवक नहीं माना तो उन्होंने साहस दिखाते हुए शहर कोतवाली क्षेत्र के टेढ़िया मस्जिद के पास ई-रिक्शा रुकवाया। आरोप है कि इसके बाद छात्राओं ने युवक को ई-रिक्शा से नीचे उतारकर उसकी पिटाई शुरू कर दी। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने भी युवक की जमकर धुनाई कर दी।

हालांकि, वायरल वीडियो में कुछ लोग युवक को वहां से भगाते हुए भी नजर आ रहे हैं। इस मामले में शहर कोतवाल यजवेंद्र पांडेय ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की सच्चाई सामने आने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद एक बार फिर सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं और सोशल मीडिया पर लोग छात्रा के साहस की तारीफ करते हुए सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

मनबढ़ ने बुजुर्ग पर किया जानलेवा हमला, हालत गंभीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मूरादगज में दबंगों ने घर जा रहें व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर मरणासन्न कर दिया। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि मुरादगंज निवासी रईस उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र वकील शुक्रवार रात्रि लगभग 10:00 बजे अपने घर जा रहे थे। उसी समय पुरानी रंजिश को लेकर छः और सात की संख्या में दबंगो ने उसके सिर पर गंभीर वार किया। सर के अलावा शरीर पर भी कई स्थान पर हमला कर घायल कर दिया है। गंभीर चोट लगने के कारण रईस सड़क पर गिरकर तड़प रहा था। उसी समय इस घटना की जानकारी घायल के परिजनों को मिल गई। परिवार के लोग भागे-भागे हुए मौके पर पहुंचे तो देखा कि वह खून से लथपथ अवस्था में सड़क पर पड़ा हुआ था। हालत गंभीर देखकर परिवार के लोग उसे तत्काल जिला अस्पताल ले आए। घटना की जानकारी जब थाने पर जाकर पुलिस को दी गई तो पुलिस ने भी ठंडी का हवाला देते हुए रिपोर्ट दर्ज करने के लिए सुबह बुला लिया। पुलिस के इस रवैया के कारण घायल का चिकित्सकीय परीक्षण नहीं हो सका और ना ही उसकी रिपोर्ट दर्ज हुई। जनपद में लगातार बढ़ रहे अपराध शायद इसी कारण से बढ़ रहे हैं कि पुलिस अपने दायित्व का पालन करने में टाल मटोल करती है जिसके कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं।

समाजसेवी प्रेम प्रकाश सिंह ने गरीबों को वितरित किये कम्बल

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजसेवी प्रेम प्रकाश सिंह और पंजाबी सिंह ने शनिवार को बक्शा के गढ़ासेनी और सिकरारा के ककोहियां गांव में गरीब व जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए। इस दौरान कुल 400 परिवारों को गर्म कंबल दिए गए, जिससे उन्हें कड़ाके की ठंड से राहत मिली। यह कार्यक्रम गढ़ासेनी गांव में और ककोहियां में समाजसेवी प्रेम प्रकाश सिंह के आवास के

पास साईं बाबा मंदिर पर आयोजित किया गया। ककोहियां निवासी प्रेम प्रकाश सिंह ने अपनी उपस्थिति में बक्शा ब्लॉक के गढ़ासेनी गांव में 100 कंबल और ककोहियां गांव में 300 कंबल वितरित किए। कंबल मिलते ही जरूरतमंद लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ठंड के कारण रात भर नींद नहीं आती थी, लेकिन अब उन्हें काफी राहत मिलेगी। समाजसेवी प्रेम प्रकाश सिंह ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ठंड का यह मौसम किसी गरीब या असहाय व्यक्ति के लिए परेशानी का कारण न बने। उन्होंने यह भी बताया कि वे पिछले दस वर्षों से लगातार समाज की सेवा कर रहे हैं और हर साल ठंड में जरूरतमंद परिवारों को कंबल वितरित करते हैं। उन्होंने इसे केवल कंबल वितरण नहीं, बल्कि अपनी संवेदना और जिम्मेदारी का प्रतीक बताया। समाजसेवी पंजाबी सिंह ने जानकारी दी कि कड़ाके की ठंड और बर्फीली हवाओं में जीवन यापन कर रहे गरीब परिवारों को ऊनी गर्म कंबल दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि वे लगातार जनकल्याणकारी और मानवीय संवेदना के प्रति जागरूक होकर सामाजिक कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर समाजसेवी प्रेम प्रकाश सिंह, पंजाबी सिंह, रोहित यादव, शेषमणि पांडेय, अशोक कुमार सिंह, स्वामीनाथ पांडेय, इन्द्रजीत गौतम, राजन कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे। प्रधान ज्योति यादव, प्रधान पति अरुण यादव, सत्यप्रकाश शुक्ला, संतोष सिंह, अनुपम यादव, मंटू यादव और वंदना यादव भी उपस्थित रहे।

परीक्षा को बोझ न समझें विद्यार्थीः डॉ.वेद प्रकाश सिंह

श्री विश्वनाथ पीजी कॉलेज परिसर में आयोजित परीक्षा पे चर्चा 2026 कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा

कादीपुर,सुलतानपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के श्री विश्वनाथ इंटर कॉलेज कलान के विज्ञान, वाणिज्य, कृषि, मानविकी एवं कला संकाय में अध्ययनरत कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों ने शुक्रवार को श्री विश्वनाथ पीजी कॉलेज परिसर में आयोजित परीक्षा पे चर्चा 2026 कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम को लेकर विद्यार्थियों में खास उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विश्वनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रबंध निदेशक डॉ. वेद प्रकाश सिंह रहे। प्रबंध निदेशक ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण, समय प्रबंधन, अनुशासन एवं करियर चयन से संबंधित महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं कोउचित मार्गदर्शन प्रदान करते हुए तनाव मुक्त होकर तैयारी करके परीक्षा में सम्मिलित होने का आह्वान किया। साथ ही साथ शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन एवं कर्तव्यपरायणता जैसे जीवन मूल्यों की अनिवार्यता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि धैर्य, कठिन परिश्रम, लक्ष्य के प्रति पूर्ण रूप से समर्पण के साथ परीक्षा की तैयारी करें, सफलता निश्चित रूप से मिलेगी। अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को बताया कि परीक्षा को बोझ न मानकर पूरी ईमानदारी के साथ तैयारी करने वाले बच्चों को निश्चित रूप से लक्ष्य हासिल होगा। इस अवसर पर पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार सिंह, कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष सिंह, प्रशासनिक अधिकारी अतुल सिंह सहित शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मणिकर्णिका विवाद में पांच दिन बाद बोले मंत्री और विधायक- AI से बनाया वीडियो

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पांच दिन पहले महाश्मशान मणिकर्णिका पर मढ़ी तोड़ने के वायरल हुए वीडियो के बाद शुक्रवार को काशी में मंत्री, मेयर, विधायक से लेकर डीएम-कमिश्नर ने अपनी सफाई दी है। उनका कहना है कि मढ़ी तोड़ने का वायरल वीडियो एआई से बना है। कोई भी मूर्ति क्षतिग्रस्त नहीं है। सिर्फ कलाकृतियों को ड्रिलिंग के दौरान हुए कंपन से नुकसान पहुंचा है। मूर्तियां संरक्षित करके रखी गई हैं। जिन्हें निर्माण पूरा

◆ कंपन से खुद ही टूट गई मूर्ति की बात आई सामने

होने पर फिर से स्थापित किया जाएगा।

इस पर नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, नमो घाट, अस्सी घाट सहित अनेक विकास कार्यों के माध्यम से काशी की भव्यता और दिव्यता को नई दिशा मिली। इसी श्रृंखला में मणिकर्णिका घाट पर पुनर्निर्माण कार्य शुरू किया गया है। राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल ने प्रेस कांफ्रेंस की और कहा कि ड्रिलिंग से पहले मूर्ति हटाते फिर तोड़ते तो दिक्कत नहीं होती। वे बोले, एआई का इस्तेमाल कर विपक्ष के लोग गुमराह करने में उस्ताद हैं। विश्वनाथ मंदिर के दर्शनार्थी शवों के जलने से होने वाले धुएं से परेशान हैं। जिस प्रकार विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया जा रहा था, तब भी ये लोग फर्जी टूटी-फूटी मूर्तियां लाए थे। शुक्रवार को मेयर अशोक तिवारी और शहर दक्षिणी विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी मणिकर्णिका घाट पहुंचे। उनके साथ नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल भी मौजूद थे। नीलकंठ तिवारी ने कहा कि घाट किनारे जितने भी मढ़ी हैं, उनमें मूर्तियां हैं, लेकिन उनकी प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई है। घाट किनारे जिस टूटे हुए मढ़ी और कलाकृति का वीडियो वायरल हो रहा है, उसे किसी ने तोड़ा नहीं है। दोनों घाट किनारे चल रही ड्रिलिंग से हुई कंपन से स्वतः क्षतिग्रस्त हुए हैं।

पूर्व विधायक का समाज के विकास के प्रति समर्पण सदैव रहेगा अविस्मरणीयः ललई

पूर्व विधायक की पुण्यतिथि पर विशिष्ट जनों ने दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन विकासखंड क्षेत्र के पट्टी नरेंद्रपुर बाजार निवासी एवं सपा के पूर्व विधायक राम पारस रजक की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को विशिष्ट जनों ने श्रद्धांजलि दी। जौनपुर सदर के सपा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा व सपा सरकार में रहे पूर्व ऊर्जा एवं नियोजन राज्य मंत्री शैलेंद्र यादव ललई ने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।पूर्व मंत्री ललई ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि समाज हित में पूर्व विधायक द्वारा किए गए कार्य एवं जन सेवा के प्रति उनके समर्पण सदैव अविस्मरणीय रहेंगे। क्षेत्र समाज के प्रति दिए गए योगदान को हमेशा याद रखेगा। सांसद ने कहा कि पूर्व विधायक का जीवन क्षेत्र के विकास के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने दलित, पिछड़े सहित हर वर्ग के लिए जीवन जिया। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ढांढस बंधाया। आत्मा की शांति व परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। विधायक के पैतृक निवास पर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए गणमान्य नागरिकों एवं स्थानीय लोगों का सिलसिला जारी है। मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, चेयरमैन धनंजय सिंह, राणा प्रताप सिंह, डॉ. पंकज सिंह, बासुपुर के प्रधान प्रतिनिधि अजय कुमार सहित क्षेत्र के अन्य लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

मकर संक्रांति आपसी एकता और सौहार्द का प्रतीकः संजय सिंह

खुटहन क्षेत्र के सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल पट्टी नरेंद्रपुर में धूमधाम से मनाया गया मकर संक्रांति और लोहड़ी का पर्व

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन विकासखंड क्षेत्र के पट्टी नरेंद्रपुर बाजार स्थित सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल में मकर संक्रांति और लोहड़ी का पर्व धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छात्र-छात्राओं ने लाई, गुड़, गट्टा, च्यूड़ा और अन्य खाद्य सामग्री का लुत्फ उठाया और पतंग उड़ाई। इस पर्व के दौरान, बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया, जिसमें पतंग उड़ाना, लाई-गुड़ खाना और अन्य पारंपरिक खेल शामिल थे। स्कूल के शिक्षकों ने भी इस पर्व का आनंद लिया और बच्चों के साथ मिलकर उत्सव मनाया। प्रबंध निदेशक संजय सिंह ने बताया कि मकर संक्रांति आपसी एकता और सौहार्द का प्रतीक है। ऐसे त्यौहार समाज में सामाजिक समरसता लाते हैं। मकर संक्रांति और लोहड़ी दोनों ही पर्व सूर्य और फसल से जुड़े हुए हैं। मकर संक्रांति सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने का प्रतीक है, जो फसल की कटाई के समय शुरू होता है। मौके पर प्रधानाचार्य अजरा सदाकत, विनीत सिंह, प्रीति सिंह, प्रियंका उपाध्याय, अजय शुक्ला, महेंद्र प्रताप सिंह, जैनेंद्र सिंह, संजय सिंह, आकांक्षा भोज्यवाल आदि लोग मौजूद रहे।

मृत्युञ्जय महादेव धाम उमरछा में सुंदरकाण्ड प्रतियोगिता संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमरछा लिंग थापि विधिवत करि पूजा। सिव समान प्रिय मोहि न दूजा।। की पावन चौपाइयों के साथ मृत्युञ्जय महादेव धाम उमरछा में आयोजित सस्वर सुंदरकाण्ड प्रतियोगिता का प्रदोष तिथि का भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर निर्मल मानस ग्रुप, औरैला मड़ियाहूं के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत मंत्रमुग्ध कर देने वाले पाठ के उपरांत एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए सुशील कुमार उपाध्याय पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा जौनपुर ने कहा,सुंदरकाण्ड केवल भक्ति का मार्ग नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन का जीवंत शास्त्र है। निर्मल मानस ग्रुप के युवा कलाकारों ने जिस शुद्धता और लयबद्धता के साथ प्रभु चरित का गान किया है, वह नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। ऐसे आयोजनों से समाज में सनातन मूल्यों का विस्तार होता है। विशिष्ट अतिथि यादवेन्द्र मिश्र और दीपक सिंह 'मोंटी' ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने संबोधन में कहा, कला और भक्ति का संगम जब मंच पर उतरता है, तो वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर जाता है। औरैला के इन कलाकारों ने अपनी स्वर लहरियों से आज मृत्युञ्जय महादेव धाम उमरछा को अयोध्या जैसा स्वरूप दे दिया है। प्रतिभाओं को सम्मानित करना हमारी सांस्कृतिक परंपरा का अहम हिस्सा है इसी क्रम में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष द्वारा निर्मल मानस ग्रुप के कलाकार राजीव निर्मल, चादनी यादव, पंकज विश्वकर्मा चंचल शर्मा, राजेश पांडेय प्रेम आसरे पाण्डेय को स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस भव्य अनुष्ठान की शुरूआत पंडित हीरामणी उपाध्याय के कुशल सानिध्य और वैदिक रीति-विधान से यजमान आनंद उपाध्याय और एवं उनकी धर्मपत्नी जयदेवी द्वारा पूजा पाठ से किया गया उपस्थित दर्शकों के साथ-साथ निर्णायक मंडल के सदस्य ललित शुक्ल, कैलाश नाथ शुक्ल और सतीश कुमार उपाध्याय ने अपने निर्णय को बंद लिफाफे में सुरक्षित रखा। गांव के वरिष्ठ सदस्य प्रभाकर शुक्ल और दीपक सिंह मोटो के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सुनील पाठक, संतोष मिश्र, राजेंद्र मौर्य, आनंद उपाध्याय, राकेश शुक्ल, पद्माकर शुक्ल, लालमुनि उपाध्याय, उदयशंकर शुक्ल, रतनलाल गुप्त को स्मृति चिह्न और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में रामायण और हनुमान जी की आरती के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अरुण उपाध्याय, शरद टंडन, देवेश कुमार उपाध्याय, सन्तोष उपाध्याय, लालप्रताप सिंह, नरेंद्र सिंह, जयशंकर पाल, राजेश, जयशंकर शुक्ल, संतोष शुक्ल ढोलन, अरविंद शुक्ल, विकास,अरविंद सिंह और मुंडी गौतम सहित भारी संख्या में श्रद्धालु और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे मंदिर परिसर में जय श्रीराम और हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा।

CMO Reg. RMEE. 2341801

SHIFA HOSPITAL

अहमदी मेमोरियल शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा0 मोहम्मद अकमल (फिजिशियन) पता- मानीकलां, जौनपुर

डॉ0 सुनील कुमार दुबे MBBS, MS (Laproscopic Surgeon) on call)

डॉ0 अबू फैसल MBBS, Ortho PGDS हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ समय 2 बजे से शाम 4 बजे तक (बृहस्पतिवार)

डॉ0 एम के वर्मा P.G D.C (Delhi) (चर्म रोग विशेषज्ञ) समय- 11 बजे 2 बजे तक (शनिवार)

डॉ0 मोहम्मद चाँद बागवान MBBS, DNB, MD (Lucknow) शुगर, चेस्ट एंव हृदय रोग विशेष समय- सुबह 8 बजे 11 बजे तक (मंगलवार)

डॉ0 मोहम्मद अब्दुल्लाह (दाँत चिकित्सक) समय - सुबह 9 से 11 बजे तक (बुद्धवार, रविवार)

डॉ0 यसीरा अली MBBS, MS (obs & Gynae Surgeon) स्त्री रोग एवं बांझपन विशेषज्ञ (Inferitility) समय- सुबह 8 बजे से 11 बजे तक (मंगलवार)

डॉ0 सना अब्दुल्लाह (स्त्री रोग विशेषज्ञ) समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक (बुद्धवार, रविवार)

डॉ. मोहम्मद अंज़र एम.बी.बी.एस. जरनल फिजिशियन

डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज़्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चेस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिस्क, बच्चेदानी, हाइड्रोसील का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।

पता - मानीकलां, जौनपुर | 9451610571, 7380850571

समाजवादी महिला सभा ने चाइनीज मांझा को लेकर लोगों को किया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के जोगियापुर स्थित शिव गोपाल घाट पर उषा जायसवाल प्रदेश सचिव समाजवादी महिला सभा ने चाइनीज मांझा के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया। इस मौके पर प्रदेश सचिव उषा जायसवाल ने अभिभावक एवं बच्चों को जागरुक करते हुए कहा कि चाइनीज मांझा आज मौत का मांझा बन चुका है जिससे हमारे जनपद के दो नौजवानों संदीप तिवारी और डॉ. समीर नामक नवयुवक की मौत हो चुकी है। उनके परिवार बिखर गए। यह जनपद के लिए बहुत शर्मनाक घटना है। जिला प्रशासन इस चीनी मांझे को रोकने के लिए जो कदम उठाने चाहिए अब तक नहीं उठा पाया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम जिला प्रशासन से मांग करते हैं कि उक्त दोनों परिवारों को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए जिससे उनके परिवार का जीवकोपार्जन सुचारू रूप से चल सके। हम सभी लोग इस बात के लिए सचेत रहें कि चाइनीज मांजे का उपयोग कहीं भी होता रहे तो उसे रोकने का काम करें। किसी भी दशा में हमें मानवता को ऊपर रखते हुए अपने थोड़े शौक पर रोक लगानी होगी। हमारा यह कार्यक्रम एक दायित्व के रूप में हमेशा चलता रहेगा। चाइनीज मांझा मौत का मांझा है, इस बात को जनपद जौनपुर के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचना है। यही हमारा उद्देश्य है। इस मौके पर सुशीला यादव विधानसभा अध्यक्ष, पूनम यादव विधानसभा महासचिव, राधा यादव, शालिनी यादव, पिंकी गुप्ता, पूनम निषाद, रंजना निषाद, प्रीति जायसवाल सहित तमाम महिलाएं मौजूद रहीं।

मानव स्वास्थ्य, पोषण और स्थिरता में पाम ऑयल की भूमिका पर एचबीटीयू, कानपुर में सेमिनार का आयोजन

मुंबई/कानपुर। पोषण विज्ञान, खाद्य विनियमन, कार्डियोलॉजी और ऑयल टेक्नोलॉजी के प्रमुख विशेषज्ञों ने पाम ऑयल और मानव स्वास्थ्य, पोषण एवं स्थिरता में इसकी भूमिका पर विज्ञान-आधारित चर्चा का आह्वान किया। यह चर्चा हारकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कानपुर में आयोजित ?मानव स्वास्थ्य, पोषण और स्थिरता में पाम ऑयल की भूमिकाः संतुलित सत्य विषय पर आधारित आधे दिन के सेमिनार के दौरान हुई।

ऑयल टेक्नोलॉजी विभाग, हारकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी कानपुर और ऑयल टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया, सेंट्रल जोन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सेमिनार में पोषण विज्ञान, चिकित्सा अनुसंधान, खाद्य विनियमन, स्थिरता और ऑयल टेक?नोलॉजी के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया गया, ताकि पाम ऑयल से जुड़े पुराने मिथकों को दूर कर साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया जा सके।

सेमिनार के महत्व के बारे में, हारकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कानपुर के स्कूल ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. प्रवीण यादव ने कहा, ?पाम ऑयल को लेकर अक्सर लोगों के बीच दो अलग-अलग राय देखने को मिलती है। इस तरह के आयोजनों से एक संतुलन बनता है, जहाँ हम बातों को केवल सुनी-सुनाई बातों के आधार पर नहीं, बल्कि विज्ञान और जिम्मेदारी के साथ समझते हैं। जब हम सेहत, पोषण और पर्यावरण को अलग-अलग देखने के बजाय एक साथ जोड़कर देखते हैं, तो विशेषज्ञों और आम जनता, दोनों के लिए सही फैसला लेना आसान हो जाता है।

यह सेमिनार दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले खाद्य तेलों में से एक पर सही और वैज्ञानिक चर्चा के लिए एक बेहतरीन मंच साबित हुआ। पाम ऑयल सस्ता होने, इसे कई तरह से इस्तेमाल किए जा सकने और हर तरह के खाने व प्रोसेसिंग में भरोसेमंद होने की वजह से भारत की भोजन व्यवस्था का एक जरूरी हिस्सा है। इसकी लगातार उपलब्धता और बड़े स्तर पर इस्तेमाल देश में तेल की कमी को पूरा करने में मदद करता है, जिससे आम परिवारों, होटल-रेस्टोरेंट चलाने वालों और डिब्बाबंद खाना बनाने वाले उद्योगों को आसानी से तेल मिल जाता है और उनकी खाद्य सुरक्षा बनी रहती है।

सेमिनार के दौरान साझा की गई वैज्ञानिक जानकारियों ने पता चला कि पाम ऑयल संतृप्त और असंतृप्त फैटी एसिड का एक संतुलित मिश्रण है, जो रोजमर्रा का खाना पकाने के लिए उपयुक्त है, खासतौर से जब इसे बैलेंस?ड डाइट के रूप में लिया जाए। इसकी उच्च ऑक्सीडेटिव स्थिरता इसे तेज आंच पर खाना पकाने की स्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने की अनुमति देती है, जिससे अन्य वनस्पति तेलों की तुलना में भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने और हानिकारक यौगिकों के निर्माण को कम करने में मदद मिलती है।

पाम ऑयल विटामिन ई टोकोट्रिएनोल्स का एक प्राकृतिक स्रोत भी है, जो अपने एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाने जाते हैं। चर्चा के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि सेहत के लिए किसी एक तेल को पूरी तरह छोड़ देना ही काफी नहीं है। इसके बजाय, हम दिन भर में क्या और कैसा खाना खाते हैं, हमारी जीवनशैली कैसी है और हम चीजों का इस्तेमाल कितने संयम से करते हैं, ये बातें हमारी सेहत पर कहीं ज्यादा असर डालती हैं।

यह विचार-विमर्श 2021 में भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए ?नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल?स- ऑयल पाम' के उद्देश्यों के अनुरूप भी रहा, जिसका लक्ष्य घरेलू खाद्य तेल उत्पादन को मजबूत करना और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना है। सेमिनार के दौरान वक्ताओं ने एक फसल के रूप में ऑयल पाम की दक्षता पर प्रकाश डाला और बताया कि यह अन्य प्रमुख वनस्पति तेल फसलों की तुलना में प्रति हेक्टेयर अधिक उपज देता है। जब इसे जिम्मेदार खेती के तरीकों, वैज्ञानिक अनुसंधान और

लाइसेंस बनाये जाने को लेकर वेंडिंग खाद्य व्यापारियों को किया गया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लोक शक्ति उद्योग व्यापार मण्डल जौनपुर द्वारा वेंडिंग खाद्य व्यापारियों में फूड विभाग द्वारा लाइसेंस बनाए जाने को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया जिसमें प्रदेश अध्यक्ष श्रवण जायसवाल, कार्यकारी जिलाध्यक्ष संजीव साहू ने संयुक्त रूप से फल सब्जी एवं चाट वेंडिंग विक्रेताओं को खाद्य लाइसेंस की अनिवार्यता को बताते हुए कहा कि फूड विभाग द्वारा बनाए गए गाइडलाइन का पालन करते हुए अपने-अपने व्यापार को सुचारू रूप से करें। साफ सफाई का ध्यान रखें जिससे कम से कम जनहानि और संक्रामक बीमारियों से छुटकारा पाया जा सके। इस दौरान सैकड़ों ठेला खुमचा व फुटपाथ के व्यापारियों को जागरूक किया गया। यह जागरूकता कार्यक्रम शहर के कोतवाली एवं चहारसू चौराहा पर चलाया गया। इस अवसर पर अमर बहादुर सेठ, अनवारूक हक गुड्डू, अमरनाथ मोदनवाल, अवधेश श्रीवास्तव, सुनील चौरसिया, सुभाष गुप्ता सहित तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

स्नेहा दुबे पंडित ने प्रभाग नंबर 23 के उम्मीदवारों को दी शुभकामना

वसई। वसई विरार महानगर पालिका में प्रभाग नंबर 23 में चारों उम्मीदवारो जैसे अपर्णा पाटिल,निम्मी दोषी,महेश सरवनकर और प्रदीप पवार भारी प्रचंड बहुमत से विजई हुए सभी उम्मीदवारों को सभी भारतीय जनता पार्टी और अन्य पार्टी के कार्यकर्ता व्यापारी,पदाधिकारी ने विजई होने पर किसीने गुलदस्ता ,फूल हार से शुभेच्छा अभिनंदन किया विशेष रूप से वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने भी अपने कार्यालय पर चारों उम्मीदवारों को शुभेच्छा दिया और स्वागत किया और सभी लोगों ने जीवन की राजकीय यात्रा और सफल हो ऐसी शुभ कामना दिया और उत्तरशक्ति न्यूज मुंबई के संवाददाता नरेंद्र सोनी ने भी जीत पर शुभेच्छा अभिनंदन दिया

एआई प्लस स्मार्टफोन ने कनेक्टेड जनरेशन के लिए पेश की नोवावॉच स्मार्टवॉच सीरीज

नई दिल्ली। एआई प्लस ने आज अपनी नई स्मार्टवॉच सीरीज नोवावॉच पेश की। यह सीरीज सेफ्टी, रोजमर्रा की हेल्थ और पर्सनल स्टाइल को ध्यान में रखते हुए एआई प्लस के कनेक्टेड डिवाइस पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाती है। पहली तिमाही 2026 में लॉन्च होने जा रही नोवावॉच इस सोच को दिखाती है कि पहनने वाली टेक्नोलॉजी सिर्फ काम की ही नहीं, बल्कि दिखने में भी स्टाइलिश होनी चाहिए। एआई प्लस नोवावॉच लाइनअप में एक्टिव, वेयरबड्स, किड्स जियो फेंसिंग वॉच और इंडस्ट्री में पहली बार रोटेटिंग कैमरा एलटीई वॉच शामिल हैं। हर मॉडल को अलग जरूरत के हिसाब से डिजाइन किया गया है। यह रेंज रोजमर्रा की हेल्थ ट्रैकिंग, परिवार की सेफ्टी और पर्सनल स्टाइल को कवर करती है, ताकि अलग अलग उम्र और लाइफस्टाइल के लोग इन्हें आसानी से इस्तेमाल कर सकें। एक्टिव उन यूजर्स के लिए तैयार की गई है जो आसान और भरोसेमंद हेल्थ ट्रैकिंग चाहते हैं। इसमें जरूरी वेलनेस फीचर्स दिए गए हैं और इसका डिजाइन ऐसा है जिसे पहले दिन से ही समझना और इस्तेमाल करना आसान है। इसका फॉर्म फैक्टर भी इंडस्ट्री में पहली बार देखने को मिलेगा। वेयरबड्स एक फ्लैगशिप और बिल्कुल नया कॉन्सेप्ट है, जिसमें स्मार्टवॉच के साथ इनबिल्ट ब्लूटूथ ईयरफोन दिए गए हैं। यानी सभी डिवाइस और ऑडियो सुनने के लिए अलग अलग डिवाइस रखने की जरूरत नहीं। इसे पूरे दिन पहनने के हिसाब से डिजाइन किया गया है, जो स्टाइल और सुविधा दोनों को साथ लाता है।

किड्स जियो फेंसिंग फोरजी वॉच बच्चों की सेफ्टी को ध्यान में रखकर बनाई गई है। यह आसान कनेक्टिविटी के जरिए माता पिता को बच्चों से जुड़े रहने में मदद करती है। स्मार्टफोन जैसी जटिलता और जोखिम के बिना यह बच्चों की सुरक्षा को लेकर भरोसा देती है। रोटेटकैम फोरजी उन यूजर्स के लिए है जो वियरेबल्स को अपनी पर्सनल स्टाइल का हिस्सा मानते हैं। इसमें दिया गया रोटेटिंग कैमरा स्मार्टवॉच के अनुभव को और मजेदार बनाता है। इसका बोल्ड डिजाइन सोशल और विजुअल यूज के लिए नई संभावनाएं खोलता है।

लॉन्च के मौके पर एआई प्लस स्मार्टफोन के सीईओ और एनएक्सटक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीज के फाउंडर माधव शेठ ने कहा, वियरेबल्स अब रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन रहे हैं, लेकिन कई प्रोडक्ट्स अब भी लोगों से ज्यादा टेक्नोलॉजी पर फोकस करते हैं। नोवावॉच बनाते वक्त हमने इस बात पर ध्यान दिया कि लोग इन्हें कैसे पहनते और इस्तेमाल करते हैं, चाहे वह हेल्थ हो, सेफ्टी हो या पर्सनल स्टाइल। वियरेबल्स दिखते हैं और निजी होते हैं, इसलिए इनका फैशनेबल होना जरूरी है। नोवावॉच कलाई पर नेचुरल लगे और रोज की दिनचर्या में आसानी से फिट हो, इसी सोच के साथ इसे तैयार किया गया है। यह सीरीज यूजर्स को कंफर्ट और परफॉर्मेंस में एक प्लस जोड़ने का मौका देती है। नोवावॉच के साथ एआई प्लस अपनी ऐड अ प्लस सोच को वियरेबल्स तक ले जा रहा

विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने किया विकास कार्यों का शिलान्यास

जौनपुर। विकास कार्यों से बदलापुर विधानसभा की तस्वीर बदलने वाले बीजेपी विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने आज क्षेत्र पंचायत बदलापुर राज्य वित्त व पंद्रहवां वित्त द्वारा विभिन्न ग्राम सभाओं में कराए गए 21 इंटरलॉकिंग और नाली निर्माण कार्यों का लोकार्पण और मनरेगा योजना अंतर्गत 3 नए सीसी रोड के निर्माण कार्य हेतु शिलान्यास किया। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी धर्मेंद्र द्विवेदी, विधायक प्रतिनिधि गंगा प्रसाद सिंह, मंडल अध्यक्ष शनि शुक्ला, युवा भाजपा नेता मृगेंद्र सिंह शिव बाबा, ओंकार नाथ मिश्र, राकेश तिवारी, दुर्गेश तिवारी आदि उपस्थित रहे।

प्रभाग क्र 177 की नवनिर्वाचित नगर सेविका कल्पेश जेसल कोठारी को के के मिश्र बच्चन ने दी बधाई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। माटुंगा पूर्व के प्रभाग क्र 177 के भारतीय जनता पार्टी की नवनिर्वाचित नगर सेविका श्रीमती कल्पेश जेसल कोठारी ने भारी मतो विजय प्राप्त की हैं। कल्पेश जेसल कोठारी को माटुंगा पूर्व व वडाला पश्चिम से पूर्व समाजसेवी के के मिश्रा बच्चन व दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, भरत भाई शुक्ला, पत्रकार राजकुमार अग्रहरि, पत्रकार राहुल तिवारी सहित कई लोगों ने हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। समाजसेवी के के मिश्रा (बच्चन मिश्रा) ने आशा व्यक्त किया है कि बिना किसी भेदभाव के समाज कार्य करती रहेगी और क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान देंगी ।

विशेष पुनरीक्षण को लेकर डीएम ने की राजनीतिक दलों संग बैठक, फॉर्म-6 भरवाने पर दिया जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ गहन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 भरने पर विशेष बल दिया गया।

जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया कि 18 जनवरी 2026 को जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ द्वारा मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन पढ़कर सुनाया जाएगा तथा दावा व आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे अपने बीएलए के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को मतदान केंद्रों तक भेजें और नए मतदाताओं को जागरूक करें। बैठक में राजनीतिक दलों के अध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया कि जिन मतदाताओं की फोटो व मोबाइल नंबर मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, उन्हें अपडेट कराने में बीएलओ को बीएलए के माध्यम से सहयोग प्रदान किया जाए। नो-मैपिंग मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाने के बाद 21 जनवरी 2026 से चयनित स्थानों पर उनकी सुनवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा चार अर्हक तिथियां निर्धारित की गई हैं। यदि कोई मतदाता 1 जनवरी के अतिरिक्त 1 अप्रैल, 1 जुलाई अथवा 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहा है, तो उनसे अग्रिम रूप से फॉर्म-6 भरवाया जाए। फॉर्म-6 भरते समय जन्मतिथि के प्रमाण के रूप में जन्म प्रमाण-पत्र, भारतीय पासपोर्ट, पैन कार्ड, कक्षा 10 या 12 की अंकतालिका/प्रमाण-पत्र (यदि जन्मतिथि अंकित हो) स्वीकार किए जाएंगे। वहीं निवास प्रमाण के लिए बैंक/डाकघर की पासबुक, बिजली-पानी-गैस बिल, भूमि स्वामित्व अभिलेख, किसान बही, पंजीकृत किरायानामा या विक्रय विलेख संलग्न किए जा सकते हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि फॉर्म हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में स्पष्ट रूप से भरा जाए।

उन्होंने बताया कि 18 जनवरी 2026 को पूर्ववत सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची पढ़ी जाएगी और फॉर्म भरने की प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। बैठक में सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, बसपा जिलाध्यक्ष संग्राम भारती, कांग्रेस उपाध्यक्ष राकेश सिंह डब्बू, भाजपा से सुदर्शन सिंह व स्कंद पटेल, सीपीआईएम से किरण शंकर रघुवंशी, अपना दल (एस) से लाल बहादुर पटेल, आम आदमी पार्टी से सुभाष चंद्र गौतम, कांग्रेस से अली असारी सहित अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा उप जिला निर्वाचन अधिकारी परमानंद झा, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

व्यापारियों की समस्याओं पर हुआ मंथन, बोले अधिकारी सुगमता सरकार की प्राथमिकता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उपायुक्त राज्य कर ने अवगत कराया कि 17 जनवरी 2026 को जनपद जौनपुर के उत्सव मोटल में शासन के निदेर्शानुसार व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शासन और व्यापारी समुदाय के बीच सीधा संवाद स्थापित कर व्यापारिक समस्याओं का समाधान करना तथा व्यापारिक सुगमता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त आयुक्त (कार्यपालक) राज्य कर, वाराणसी संभाग-सी, वाराणसी अनिल कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की गरिमामयी उपस्थिति रही। व्यापारी संवाद कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों एवं अधिवक्ताओं द्वारा जीएसटी से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक समस्याएं उठाई गईं, जिन पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों द्वारा जीएसटी प्रणाली में हुए नवीन परिवर्तनों, प्रक्रियाओं तथा तकनीकी पहलुओं की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर जीएसटी विभाग के उपायुक्त अक्षय लाल, सुरेंद्र कैथल, रजनेश कुमार, सुश्री कंचन सिंह गौर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जौनपुर बार एसोसिएशन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह, हरेंद्र बहादुर सिंह, जे.के. मिश्रा मौजूद रहे। इसके अलावा दिनेश टंडन, पूर्व चेयरमैन नगर पालिका परिषद जौनपुर, व्यापार मंडल के विभिन्न पदाधिकारी एवं जनपद के अलग-अलग क्षेत्रों से आए व्यापारी बंधुओं ने भी कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन उपायुक्त राज्य कर जौनपुर वरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। संवाद कार्यक्रम के माध्यम से व्यापारियों को आश्वस्त किया गया कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए किसी भी समय संबंधित अधिकारी या कर्मचारी से संपर्क कर सकते हैं। व्यापारियों की सभी समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

फसली खेती में निःशुल्क बीज प्राप्त करने का सुनहरा अवसरः उप कृषि निदेशक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उप कृषि निदेश डा0 वी0बी0 द्विवेदी ने अवगत कराया है कि निःशुल्क दलहन बीज मिनीकिट वितरण एवं प्रसार कार्यक्रम योजनान्तर्गत जायद-2026 में गन्ने की फसल के साथ दलहनी फसलें (उर्द एवं मूॅग) की अन्तः फसली खेती हेतु जनपद को उर्द बीज का 05 कुन्तल एवं मूॅग बीज का 42.80 कुन्तल लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जनपद के किसानों हेतु निःशुल्क बीज कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। यह लाभ किसानों को प्रति हेक्टेयर 20 किलो ग्राम बीज की मात्रा की दर से प्राप्त होगा। इच्छुक किसान भाई जो गन्ने की फसल की खेती करते है तथा कृषि विभाग में अपना पंजीकरण कराए है वे कृषि विभाग के विभागीय पोर्टल दर्शन-2.0 के लॉगिन पर अपने पंजीकरण नम्बर के माध्यम से गन्ने के साथ उर्द एवं मूॅग की खेत हेतु निःशुल्क बीज के लिए बुकिंग कर सकते है। बुकिंग कन्फर्म होने के पश्चात चयनित कृषक अपने विकास खण्ड के राजकीय बीज भण्डार से बीज का मिनीकिट प्राप्त कर लेंगे।

गरीब महिला की जमीन कौड़ियों के दाम हड़पने का आरोप, प्रशासन मौन

जितेंद्र कनौजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील अंतर्गत ग्राम छिटौना (चौर) निवासी उषा पत्नी रामानन्द ने आरोप लगाया है कि गांव के दबंग व्यक्ति द्वारा उनके पति को नशा देकर रेलवे स्टेशन के पास स्थित कीमती जमीन मात्र 20 हजार रुपये में फर्जी तरीके से बैनामा करा लिया गया। पीड़िता के अनुसार जमीन की वास्तविक कीमत लाखों रुपये है। जानकारी होने पर जब उन्होंने तहसील न्यायालय में आपत्ति दर्ज कराई तो आरोपित द्वारा गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता ने उपजिलाधिकारी एवं तहसील प्रशासन को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उन्हें और उनके परिवार को जान-माल का खतरा बना हुआ है। पीड़िता ने जिला प्रशासन से आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई और जमीन का उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

पेड़ से गिरकर युवक की मौत, डाल काटते समय हुआ हादसा

-आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के मानीकलां गांव में शनिवार दोपहर एक युवक की पेड़ से गिरकर मौत हो गई। वह पीपल के पेड़ की डाल काट रहा था, तभी असंतुलित होकर नीचे गिर गया। गंभीर चोट लगने से उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, अर्जुन विश्वकर्मा (45) शनिवार दोपहर करीब एक बजे शिव नगर (कुमीहा) स्थित पीपल के पेड़ पर चढ़कर डाल काट रहा था । डाल काटने के साथ ही उनका संतुलन बिगड़ गया और वह जमीन पर जा गिरा। इस हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई। आसपास के लोगों ने अर्जुन को गिरा देखकर तुरंत मौके पर पहुंचे और उनके परिजनों को सूचना दी। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को भी दी। इस घटना से मृतक के परिवार में शोक का माहौल है। मृतक के पिता रामफेर विश्वकर्मा का पहले ही निधन हो चुका है। मृतक अपने पीछे पत्नी और बच्चे छोड़ गया है मानीकलां चौकी प्रभारी शैलेंद्र राय ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महिला शौचालय से लेकर नीलगाय तक, चार सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रवादी पार्टी का महाज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आम जनमानस की मूलभूत समस्याओं को लेकर राष्ट्रवादी पार्टी द्वारा शनिवार को जिलाधिकारी जौनपुर को महाज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से पार्टी ने जिले की चार प्रमुख क्षेत्रीय समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि पट्टीनरेन्द्रपुर बाजार में प्रतिदिन लगभग 50 से अधिक गांवों के लोग खरीदारी के लिए आते हैं, लेकिन बाजार क्षेत्र में महिलाओं के लिए एक भी शौचालय की व्यवस्था नहीं है। इससे महिलाओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। जनहित को ध्यान में रखते हुए यहां सुलभ शौचालय निर्माण की मांग की गई है। दूसरे बिंदु में मछलीशहर तहसील के देवकली ग्रामसभा अंतर्गत निश्राइनपट्टी भोलेनाथ मंदिर से पाल बस्ती तक लगभग 200 मीटर मार्ग न होने का मुद्दा उठाया गया। रास्ता न होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी होती है तथा आपात स्थिति में एम्बुलेंस तक नहीं पहुंच पाती। इस समस्या के त्वरित समाधान की आवश्यकता बताई गई। तीसरे मुद्दे के रूप में जिले में नीलगाय की बढ़ती समस्या को उठाया गया। प्रतिवर्ष किसानों की फसल नीलगाय द्वारा नष्ट की जा रही है, जिससे किसान आर्थिक रूप से परेशान हैं। पार्टी ने किसान हित में ठोस एवं प्रभावी व्यवस्था किए जाने की मांग की है। चौथे बिंदु में सुजानगंज बाजार स्थित ग्राम तिलहुओं में नाले पर बनी अधूरी पुलिया का मामला रखा गया। यह ग्रामीणों के आवागमन का मुख्य मार्ग है, लेकिन निर्माण कार्य अधूरा होने से लोगों को खतरे के बीच आवाजाही करनी पड़ रही है। पूर्व में भी इस संबंध में ज्ञापन दिया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। ज्ञापन सौंपते हुए जितेन्द्र चौहान, जिलाध्यक्ष राष्ट्रवादी पार्टी जौनपुर ने कहा कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो पार्टी जनहित में आगे आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस अवसर पर सुभद्रा सिंह (जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ), सन्तोष पाल (जिलाध्यक्ष मीडिया प्रकोष्ठ), रितेश कुमार जैन (तहसील अध्यक्ष मछलीशहर), दिलीप सोनी (जिला सचिव) सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व कल्याण में आयुर्वेद की महत्ता

उदयपुरवाटी। ब्लॉक के कई आयुर्वेदिक हॉस्पिटल्स में मकरसंक्रांति के पर्व पर स्वास्थ्य परक कार्यक्रम हुए,जिसमें लोगों को दीर्घ आयु जीने के बारे में व रस रसायन का प्रयोग कर अपनी जिंदगी को वज्र के समान मजबूत व बिना दवा लिए स्वस्थ जीवन जीने का तरीका आयुर्वेद हमें वर्षों से बताता आया है।आयुर्वेद किसी परिचय का मोहताज नहीं है,दादी नानी के नुस्खों से निकलकर आज इंटरनेट पर जा पहुंचा है और वो भी अपने विशिष्ट गुणों के कारण। आयुर्वेद, जिसे जीवन का विज्ञान कहा जाता है।डॉक्टर राजेंद्र कुमावत ने कहा कि हम सब आयुर्वेद को जानते हैं और और इसके निरापद गुणों को मानते है,क्योंकि यह एक प्राचीन भारतीय चिकित्सा प्रणाली है जो स्वास्थ्य संरक्षण और रोगोपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आयुर्वेद का उद्देश्य न केवल रोगों का इलाज करना है,बल्कि व्यक्ति को स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के लिए प्रेरित करना भी है। इसके अतिरिक्त आयुर्वेद ही हमें ऋतु अनुसार खाने पीने और पहनने ओढ़ने का सलीका भी सिखाता है।

आयुर्वेद के प्रमुख सिद्धांतः आयुर्वेद में तीन दोषों - वात, पित्त,और कफ - का सिद्धांत है, जो शरीर के कार्यों को नियंत्रित करते हैं।

2. पंचमहाभूत सिद्धांतः आयुर्वेद में पांच महाभूतों - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, और आकाश - का सिद्धांत है, जो शरीर के निर्माण और कार्यों को प्रभावित करते हैं।

3. आहार और जीवनशैलीः आयुर्वेद में आहार और जीवनशैली का महत्व बताया गया है, जो स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है।

आयुर्वेद के लाभः

स्वास्थ्य संरक्षणः आयुर्वेद स्वास्थ्य संरक्षण में मदद करता है और रोगों को रोकने में सहायक है। रोगोपचारः आयुर्वेद विभिन्न रोगों के इलाज में प्रभावी है, जैसे कि तनाव,उच्च रक्तचाप, मधुमेह और मोटापा। 3. संतुलित जीवनः आयुर्वेद व्यक्ति को संतुलित जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है,जिससे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।

मकर संक्रांति पर्व का महत्व

मकर संक्रांति एक महत्वपूर्ण हिंदू पर्व है,जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के अवसर पर मनाया जाता है। यह पर्व आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, और स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया है।

आध्यात्मिक महत्वः 1. सूर्य की पूजाः मकर संक्रांति पर सूर्य की पूजा की जाती है, जो जीवन के स्रोत हैं। 2. नए वर्ष की शुरूआतः मकर संक्रांति हिंदू नव वर्ष की शुरूआत का प्रतीक है। 3. पापों का नाशः मकर संक्रांति पर किए गए पवित्र स्नान और पूजा से पापों का नाश होता है।

सामाजिक महत्वः 1. सामाजिक एकताः मकर संक्रांति पर लोग एकत्रित होते हैं और सामाजिक एकता का प्रतीक बनते हैं। 2. भोजन और दानः मकर संक्रांति पर विशेष भोजन बनाया जाता है और गरीजनों को दान दिया जाता है। 3. सांस्कृतिक कार्यक्रमः मकर संक्रांति पर कई राज्यों में तो विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं पर उनका अभिप्राय एक ही होता है। डॉक्टर दीपक बगड़िया ने स्वास्थ्य संरक्षण के बारे में जानकारी देते हुए निरोगी रहने के उपाय बताए और कहा मकर संक्रांति सर्दियों के अंत का प्रतीक है,जो स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

2. पोषक भोजनः मकर संक्रांति पर बनाए जाने वाले भोजन में पोषक तत्व होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। 3. योग और प्राणायामः मकर संक्रांति पर योग और प्राणायाम करने से स्वास्थ्य में सुधार होता है।

इस प्रकार, आयुर्वेद और मकर संक्रांति पर्व दोनों ही विश्व कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयुर्वेद स्वास्थ्य संरक्षण और रोगोपचार में मदद करता है, जबकि मकर संक्रांति पर्व आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, और स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

- डॉ.राजेंद्र कुमावत चिराना ,वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्साधिकारी व ब्लॉक नोडल अधिकारी उदयपुरवाटी

शाहगंज में ठंड से राहत का रियलिटी टेस्ट पास

रैन बसेरा से लेकर 80 अलाव तक, नगर पालिका की व्यवस्था जमीन पर दिखी मजबूत

-चंदन जायसवाल

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कड़ाके की ठंड के बीच शाहगंज नगर पालिका परिषद द्वारा की गई रैन बसेरा और अलाव की व्यवस्थाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर पूरी तरह प्रभावी नजर आ रही हैं। देर शाम दैनिक उत्तर शक्ति की टीम द्वारा किए गए रियलिटी टेस्ट में नगर पालिका की मानवीय पहल सफल पाई गई, जिससे यात्रियों और जरूरतमंदों ने राहत की सांस ली। नगर के रैन बसेरा पहुंची टीम को प्रयागराज से आए एक यात्री मिले, जो अपने घर की ओर जा रहे थे। यात्री ने बताया कि रैन बसेरा में पीने का स्वच्छ पानी, चना-गुड़, हीटर, आरामदायक बेड और साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि ठंड के इस मौसम में ऐसी व्यवस्था किसी संबल से कम नहीं है और नगर पालिका की यह पहल सराहनीय है। इसके बाद मोहल्ला श्रीरामपुर रोड चंदन जायसवाल का कार्यालय,जेसीज चौराहा, बस स्टैंड , रामलीला भवन के सामने, घासमंडी, पलथी मोड, ग्रैंड लॉन मोड, जय प्रकाश तिराहा, आजमगढ़ रोड़ सेट सेट साइकिल स्टोर के पास , वाजिद मिस्त्री पेट्रोल पम्प के पास, बुढ़वा बाबा हनुमान मंदिर, सहित विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में सभी प्रमुख स्थानों पर अलाव जलते मिले। नगर पालिका अधिकारियों के अनुसार नगर क्षेत्र में करीब 80 स्थानों पर नियमित रूप से अलाव जलाए जा रहे हैं, जिससे राहगीरों, मजदूरों और बाहर से आने वाले लोगों को ठंड से राहत मिल रही है। स्थानीय लोगों और बाहर से आए यात्रियों ने बताया कि अलाव के लिए लकड़ी की नियमित आपूर्ति की जा रही है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी प्रदीप गिरी ने कहा, नगर पालिका की प्राथमिकता है कि ठंड के मौसम में कोई भी व्यक्ति असहाय न रहे। रैन बसेरा, अलाव और अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था पर लगातार निगरानी की जा रही है और जहां जरूरत है वहां तत्काल सुधार किया जा रहा है। वही नगर पालिका के कर्मचारी गढ़ श्रीराम शुक्ला ,संदीप जमादार, फिरोज भाई सहित सभी लोग अपनी ड्यूटी पर देखे गए।

यात्रियों के लिए राहत बनी नगर पालिका की व्यवस्था
रैन बसेरा में ठहरने वालों के लिए पानी, हीटर, चना-गुड़ और साफ बेड की व्यवस्था
नगर क्षेत्र के 80 स्थानों पर अलाव की निरंतर व्यवस्था
स्थानीय लोगों और यात्रियों ने जताई संतुष्टि जताई